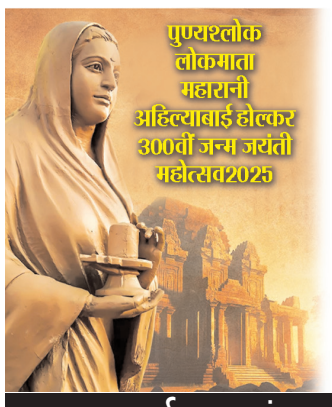

दैनिक सांध्यकालीन

मेट्रो खबर

APPROVED BY DAVP
डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

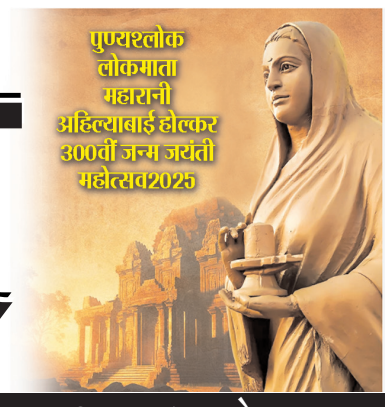

वर्ष-15 अंक-331 | भोपाल, गुरुवार 29 मई 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

3 करोड़ का ताज पहनेगी मिस वर्ल्ड 2025

सीईओ जूलिया मोर्ले बोलीं- व्हाइट गोल्ड से बने ताज में 1770 हीरे जड़े हैं, भारत की नंदिनी गुप्ता टॉप-40 में

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में चल रही 72वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का सबसे कठिन और आखिरी दौर 'इंटरव्यू राउंड' बुधवार से शुरूगया। इसमें दुनियाभर से आईं टॉप-40 कंटेस्टेंट उन सवालों के जवाब देंगी, जो फिनाले में इनकी किस्मत बदल सकते हैं। मीडिया के साथ बातचीत में मिस वर्ल्ड की सीईओ जूलिया मोर्ले ने बताया कि फिनाले बहुत ही खास होगा। नई मिस वर्ल्ड करीब 3 करोड़ रु. का ताज पहनेंगी।

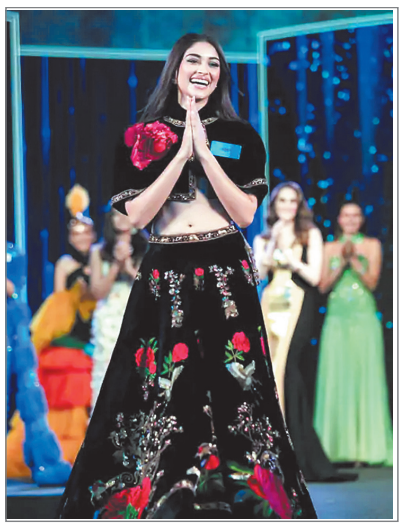

1770 हीरे जड़ा क्राउन व्हाइट गोल्ड से बना है- जूलिया मोर्ले की मानें तो 3 करोड़ के इस ताज में नीलम के अलावा 175.49 कैरेट के 1770 छोटे हीरे और 18 कैरेट का वाइट सोना होगा। इसका नीला रंग शांति, समझदारी और वफादारी का प्रतीक है। ताज के साथ-साथ मिस वर्ल्ड 2025 को 1.15 करोड़ रुपए का पुरस्कार भी मिलेगा। यह पिछली बार से ज्यादा है। लेकिन, जूलिया मानती हैं कि असली इनाम तो वह है, जब विजेता दुनियाभर का दौरा करती हैं और मानवीय प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनती हैं। मिस वर्ल्ड इवेंट का मुख्य उद्देश्य ही मानवीय प्रोजेक्ट हैं।

मिस वर्ल्ड 2025 में 4 कॉन्टिनेंट (अमेरिका-कैरेबियन, अफ्रीकन, एशिया-ओशियाना और यूरोप) के 108 देशों की कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया था। 10 मई से हैदराबाद में उन सभी के बीच प्रतियोगिताएं शुरू हुई थीं। जिसके आधारा पर मिस वर्ल्ड के लिए 40 फाइनलिस्ट का चुनाव हुआ है, जिनमें भारत की नंदिनी गुप्ता भी शामिल हैं। मिस वर्ल्ड के नियम के अनुसार टॉप- 40 में 4 कॉन्टिनेंट की 10-10 कंटेस्टेंट्स शामिल होती हैं।

सोनू सूद भी हैं ज्यूरी मेंबर्स में शामिल- 28-30 मई तक टॉप-40 के बीच 11 ज्यूरी मेंबर्स की मौजूदगी में इंटरव्यू राउंड होगा। इस साल ज्यूरी में बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद भी शामिल हैं। सवाल-जवाब के आधार पर 40 में से 5 कंटेस्टेंट्स के बीच फिनाले होगा। इंटरव्यू के आधार पर फाइनलिस्ट चुनी जाती हैं।

भारत की नंदिनी की परफॉर्मेंस बेहतर, इंटरव्यू भी शानदार होगा: जूलिया- भारत की प्रतिभागी नंदिनी गुप्ता को लेकर जूलिया ने बताया कि अगर उन्होंने स्पोर्ट्स या किसी अन्य इवेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं भी किया है तो भी इंटरव्यू व ग्रैंड फिनाले के दिन सवालों का हाजिर जवाब सबसे ज्यादा मायने रखता है। हालांकि नंदिनी पहले ही टॉप मॉडल का इवेंट जीत चुकी हैं। वह टॉप-40 में हैं। इसके अलावा, वे बेहतरीन सामाजिक कार्य कर रही हैं। मेरा यकीन हैं कि उनका इंटरव्यू शानदार रहेगा। 22 साल की नंदिनी गुप्ता कोटा की रहनेवाली हैं। उनके पिता किसान हैं। भांडाहेड़ा गांव में उनके पिता का 200 बीघा खेत है। वो खुद यहां काम करते हैं। नंदिनी गुप्ता ने साल 2023 में मिस इंडिया का खिताब जीता था। सितंबर 2003 में उनका जन्म कोटा, राजस्थान में हुआ था। सेंट पॉल सीनियर सेकेंड्री स्कूल से शुरुआती पढ़ाई करने के बाद वो मुंबई के लाला लाजपत राय कॉलेज से बिजनेस मैनेजमेंट की डिग्री ले रही हैं।

देश में कोरोना के 1200 केस, अब तक 12 मौतें

- यूपी-बिहार दौरे पर पीएम मोदी के नजदीक रहने वालों के टेस्ट होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 1200 पहुंच गई है। महाराष्ट्र एक्टिव केसेज के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 325 मरीज हैं। इनमें से 316 मरीज सिर्फ मुंबई में हैं।

इसके बाद केरल में सबसे ज्यादा 430 कोरोना पेशेंट हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र में 66, कर्नाटक में 36, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए मामले सामने आए हैं।

नॉर्थ-ईस्ट में भी कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। अरुणाचल प्रदेश में मंगलवार को 2 महिलाएं कोरोना पॉजिटिव पाई गईं। इनमें एक को बुखार और हल्की खांसी है, जबकि दूसरी महिला में कोई लक्षण नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में मंगलवार को 78 साल के कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई।

पाकिस्तान से सटे राज्यों में आज मॉक ड्रिल

- जम्मू-कश्मीर, गुजरात, पंजाब और राजस्थान शामिल
- इससे पहले ऑपरेशन सिंदूर के दिन देशभर में हुई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से सटे राज्यों में आज यानी गुरुवार की शाम मॉक ड्रिल होगी। इनमें जम्मू-कश्मीर, गुजरात, पंजाब और राजस्थान शामिल हैं। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

इससे पहले 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल हुई थी। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी गई। यह इसलिए किया गया ताकि युद्ध की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में हुई थी। तब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। यह मॉक ड्रिल युद्ध के दौरान हुई थी। दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है।

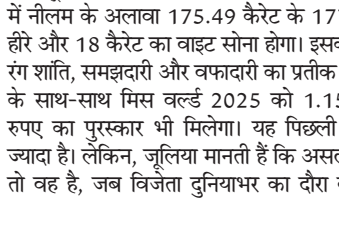

छत्तीसगढ़-ओडिशा में मानसून का प्रवेश, 17 राज्य कवर किए

- मुंबई में तेज बारिश जारी, एमपी -बिहार के 52 जिलों में आंधी-पानी का अलर्ट

नई दिल्ली/रायपुर/भोपाल (एजेंसी)। देश में 17 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। बुधवार को छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बारिश शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ में पिछले 5 दिन में 111 इंच (2840 एमएम) से ज्यादा बारिश हो चुकी है। यह मई में होने वाली सामान्य बारिश से करीब 6 गुना ज्यादा है। सामान्य तौर पर मई में 430 से 450 एमएम तक ही बरसात होती है।

मुंबई में बुधवार को जमकर बारिश हो रही है। ठाणे भी तेज बारिश जारी है। इधर, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में मंगलवार को तेज बारिश हुई। कई इलाकों में ओले भी गिरे। ओडिशा में मानसून आज एंट्री कर सकता है। सरकार ने जिलों प्रशासन को अलर्ट पर रखा है। पूरे राज्य में भारी बारिश का अलर्ट है।

मध्यप्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में मंगलवार को बारिश हुई। आज भी भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत 40 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश की चेतावनी है। कुछ जिलों में आंधी की रफ्तार 50 किमी/घंटर तक हो सकती है। बिहार के 12 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं, राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर और फलोदी में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज हुआ। आज सात जिलों में हीटवेव जबकि 15 जिलों में दोपहर बाद आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है।

थरूर बोले-भारत शांति चाहता है, पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता

- वह उस जमीन को पाना चाहता है जो उसकी है ही नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। पनामा के दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि भारत अकेले शांति से जीना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता। उन्होंने साफ किया कि भारत युद्ध नहीं चाहता था, लेकिन आतंकवादियों को सजा दिए बिना नहीं छोड़ा जा सकता।

मीडिया के मुताबिक थरूर ने कहा कि पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ आतंकी हमलों को बढ़ावा दे रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर इसलिए शुरू किया क्योंकि पाकिस्तान ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी।

आतंकवाद के खिलाफ पनामा का भारत को समर्थन- थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पनामा की यात्रा पर पहुंचा है। इसमें भाजपा, कांग्रेस और दूसरे दलों के सांसद भी हैं। इस यात्रा का मकसद दुनिया को भारत की आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और सख्त रवैये का संदेश देना है।

कानपुर में डिप्टी डायरेक्टर ने इंजीनियर की नाक काटी

- दांत से इतना तेज काटा कि अलग हो गई प्लास्टिक सर्जरी होगी

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में डिप्टी डायरेक्टर ने रिटायर्ड इंजीनियर की नाक दांत से काट ली। वजह सिर्फ इतनी थी कि उनकी पार्किंग में किसी ने कार खड़ी कर दी थी। यह देखकर डिप्टी डायरेक्टर भड़क गया।

उसने इंजीनियर को बुलाया और कहा- तुम सोसाइटी के सचिव हो, क्या देखते हो? इसके बाद दोनों में कहासुनी हो गई। डिप्टी डायरेक्टर ने अपने साथियों के साथ मिलकर इंजीनियर की पिटाई की, फिर दांत से उनकी नाक काट ली। नाक कटकर अलग हो गई।

खून बहता देख इंजीनियर का बेटा उन्हें अस्पताल ले गया। बेटे ने बताया कि इलाज करवाकर पिता को घर ले आए हैं। वह बोल नहीं पा रहे हैं। एक-दो दिन में उन्हें दिल्ली लेकर जाएंगे। जहां नाक की प्लास्टिक सर्जरी होगी। आरोपी की उम्र 55, जबकि रिटायर्ड इंजीनियर की 64 साल है। पूरी घटना 25 मई को बिठूर थाना क्षेत्र की रतन प्लेनेट स्क्वायर सोसाइटी में हुई। मंगलवार शाम को घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया।

किसानों को मिलेगी अब फसलों की ज्यादा कीमत

- कैबिनेट का फैसला-धान समेत 14 फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी, किसान क्रेडिट कार्ड पर कम ब्याज में मिलेगा लोन,

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने आज यानी 28 मई को यह फैसला लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है। कपास की नई एमएसपी 7,710 रुपए तय की गई है। इसकी एक दूसरी किस्म की नई एमएसपी 8,110 रुपए कर दी गई है, जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है। नई एमएसपी से सरकार पर 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। यह पिछले फसल सीजन की तुलना में 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एमएसपी फसल की लागत से कम से कम 50 प्रतिशत ज्यादा हो, इस बात का ध्यान रखा गया है।

क्या है एमएसपी या मिनिमम सपोर्ट प्राइस- मिनिमम सपोर्ट प्राइस यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य वो गारंटीड मूल्य है जो किसानों को उनकी फसल पर मिलता है। भले ही बाजार में उस फसल की कीमतें कम हो। इसके पीछे तर्क यह है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर किसानों पर न पड़े। उन्हें न्यूनतम कीमत मिलती रहे।

सरकार हर फसल सीजन से पहले सीएससीपी यानी कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइजेज की सिफारिश पर एमएसपी तय करती है। यदि किसी फसल की बम्पर पैदावार हुई है तो उसकी बाजार में कीमतें कम होती हैं, तब एमएसपी उनके लिए फिक्स एश्योर्ड प्राइस का काम करती है। यह एक तरह से कीमतें गिरने पर किसानों को बचाने वाली बीमा पॉलिसी की तरह काम करती है।

एमएसपी में 23 फसलें शामिल हैं

- 7 प्रकार के अनाज (धान, गेहूं, मक्का, बाजरा, ज्वार, रागी और जौ)
- 5 प्रकार की दालें (चना, अरहर/तुअर, उड़द, मूंग और मसूर)
- 7 तिलहन (रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल, कुसुम, निगरसीड)
- 4 व्यावसायिक फसलें (कपास, गन्ना, खोपरा, कच्चा जूट)
- खरीफ की फसलों में कौन-कौन सी फसलें आती हैं?
- धान (चावल), मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, मूंगफली, गन्ना, सोयाबीन, उड़द, तुअर, कुल्थी, जूट, सन, कपास आदि। खरीफ की फसलें जून जुलाई में बोई जाती हैं। सितंबर-अक्टूबर में इनकी कटाई होती है।

कैबिनेट के अन्य फैसले

- किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को आगे बढ़ाया
- दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी
- आंध्र प्रदेश में बडवेल-नेल्लोर के बीच फोर-लेन हाईवे को मंजूरी

मणिपुर में भाजपा विधायकों ने सरकार बनाने का दावा किया

- राज्यपाल के पास 10 विधायक पहुंचे, 44 के समर्थन का दावा; यहां अभी राष्ट्रपति शासन

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, एनपीपी और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा विधायक थोकचोम राधेश्याम ने कहा, कांग्रेस को छोड़कर 44 विधायक मणिपुर में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। नई सरकार के गठन का विरोध करने वाला कोई नहीं है। मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत ने दूसरी तरफ, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत केंद्रीय नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली रवाना हो गए हैं।

- **बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को दिया इस्तीफा, उसके बाद राष्ट्रपति शासन-** मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। 9 फरवरी को भाजपा सरकार का नेतृत्व करने वाले तत्कालीन सीएम एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। बीरेन सिंह पर राज्य में डेढ़ साल से ज्यादा समय तक चली हिंसा न रोक पाने के चलते काफी दबाव था।

मणिपुर में कुकी-मैतेई के बीच 3 मई, 2023 से अब तक हिंसा हो रही है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। विपक्षी पार्टियां हिंसा के मुद्दे पर लगातार एनडीए से सवाल पूछ रही थीं। अभी मणिपुर में 37 भाजपा विधायक, बहुमत से 6 ज्यादा- 60 सीटों वाले मणिपुर विधानसभा में अभी 59 विधायक हैं। एक सीट विधायक की मौत के कारण खाली है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में 32 मैतेई विधायक, तीन मणिपुरी मुस्लिम विधायक और 9 नगा विधायक हैं। एनडीए के कुल 44 विधायक हैं।

कर्नल सोफिया मामला-सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को सुनवाई से रोका

- एसआईटी को जांच के लिए जुलाई तक का वक्त; अभी मंत्री विजय शाह से नहीं हुई पूछताछ

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी से विवादों में घिरे मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के मामले की सुनवाई हुई। जस्टिस जेजे सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने मामला सुना। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- एसआईटी ने 21 मई को जांच की, वो बयान देने वाली जगह गई थी। मोबाइल समेत कुछ सबूत भी इकट्ठा किए गए। गवाहों के बयान लिए गए। जांच अभी शुरुआती चरण में है। हाईकोर्ट से हमारी रिक्वेस्ट है कि वो हमारे साथ-साथ सुनवाई न करे। एसआईटी ने तय तारीख को जांच रिपोर्ट पेश कर दी। एसआईटी ने कुछ और समय मांगा है। इस मामले की सुनवाई अब जुलाई के पहले हफ्ते में होगी।

मंत्री शाह से नहीं की गई पूछताछ- स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन 19 मई को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ही हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

भारत से बातचीत और सुलह के लिए गिड़गिड़ा रहा पाक, शहबाज शरीफ ने कहा, हम सभी विवादों को सुलझाना चाहते हैं

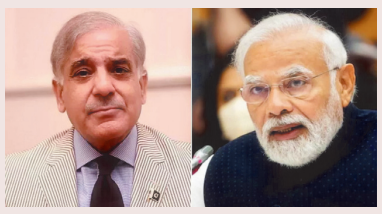

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर, आतंकवाद, जल एवं व्यापार समेत सभी मुद्दों के समाधान के लिए सोमवार को भारत के साथ शांति वार्ता की इच्छा व्यक्त की। तुर्किए से ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचने के बाद शहबाज ने राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मुलाकात की। बाद में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में शहबाज ने कहा कि वह शांति की खातिर भारत के साथ बातचीत को तैयार हैं। साथ ही भारत द्वारा युद्ध का रास्ता चुनने पर जवाबी कार्रवाई की धमकी भी दी।

शहबाज ने कहा, अगर वे आक्रामक बने रहना चुनते हैं, तो हम अपने क्षेत्र की रक्षा करेंगे.. जैसा हमने कुछ दिन पहले किया है। लेकिन अगर वे शांति के मेरे प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं, तो हम दिखाएंगे कि हम वास्तव में गंभीरता एवं ईमानदारी से शांति चाहते हैं। शहबाज ने दावा किया कि भारत के साथ चार दिवसीय संघर्ष में पाकिस्तान विजयी रहा।

भारत दे चुका साफ संदेश: उल्लेखनीय है कि भारत स्पष्ट कर चुका है कि वह पाकिस्तान के साथ केवल उसके कब्जे वाले कश्मीर की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा।शहबाज ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान पेजेश्कियन की चिंता की सराहना भी की। साथ ही इस दौरान पाकिस्तान का दौरा करने के लिए ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची को सराहा और उन्हें उत्कृष्ट राजनयिक कहा।

शहबाज के साथ उप-प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार, सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर, आंतरिक मंत्री मोहसिन रजा नकवी, सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार और प्रधानमंत्री के विशेष सहायक तारिक फातमी भी गए हैं।

डरने की जरूरत नहीं, जीत सरकार की होगी..., राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर दी हार्वर्ड की फंडिंग रोकने की धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें हार्वर्ड विश्वविद्यालय से टकराव में जीत मिली है। उन्होंने एक बार फिर दुनिया के इस शीर्ष विश्वविद्यालय को मिलने वाले अरबों डॉलर के अनुदान को रोकने की धमकी दी।

स्मृति दिवस (मेमोरियल डे) पर अवकाश के दिन ट्रंप ने अपने संदेश में कहा, मैं बहुत यहूदी विरोधी (एंटीसेमिटिक) हार्वर्ड से तीन अरब डॉलर के अनुदान को वापस लेने और उसे देशभर के ट्रेड स्कूलों को देने पर विचार कर रहा हूं। स्मृति दिवस पर अमेरिका में राष्ट्रीय अवकाश होता है। इसे हर साल मई के आखिरी सोमवार को मनाया जाता है। इस दिन अमेरिकी सेना के उन जवानों को याद किया जाता है, जो देश की सेवा में अपनी जान गंवा चुके हैं।

उन्होंने एक बार फिर हार्वर्ड से विदेशी छात्रों की संख्या कम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि वह हार्वर्ड से इन छात्रों की सूची मिलने का इंतजार कर रहे हैं। विदेशी छात्र अमेरिका के इस सबसे पुराने विश्वविद्यालय की आय का एक अहम स्रोत हैं। ट्रंप ने कहा कि वह यह सूची इसलिए चाहते हैं, ताकि वह तय कर सकें कि अरबों डॉलर के फिजूल खर्च के कितने कट्टरपंथ और उपद्रवी लोग ऐसे हैं, जिन्हें अमेरिका में वापस नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, लेकिन डरने की जरूरत नहीं है, आखिर में जीत सरकार की ही होगी। ट्रंप प्रशासन ने पिछले हफ्ते हार्वर्ड को विदेशी छात्रों के दाखिले रोकने के लिए आदेश दिया था। लेकिन शुक्रवार को एक जज ने इस आदेश को इस सप्ताह की सुनवाई तक के लिए स्थगित कर दिया। अब तक 162 नोबेल पुरस्कार विजेता देने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय से ट्रंप बहुत नाराज हैं, क्योंकि उसने अमेरिकी सरकार की दाखिला और भर्ती पर कड़ी निगरानी को मानने से इनकार कर दिया था। ट्रंप का दावा है कि यह विश्वविद्यालय यहूदी-विरोधी और सचेत उदारवादी (लिबरल) विचारधारा का गढ़ है। राष्ट्रपति ट्रंप उन अमेरिकी विश्वविद्यालयों और मीडिया जैसे अन्य संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं, जिन्हें वह देश में वामपंथी विचारधारा की ओर झुकाव रखने वाले समझते हैं। ट्रंप ने हार्वर्ड को सरकार से मिलने वाले 9 अरब डॉलर के अनुदान की समीक्षा करने की धमकी दी है। उन्होंने पहले 2.2 अरब डॉलर के अनुदान और 60 मिलियन डॉलर के सरकारी अनुबंध रोक दिए हैं।

ट्रंप की विलय की धमकियों पर किंग चार्ल्स का जवाब- चुनौतियां बढ़ीं, लेकिन कनाडा एक मजबूत और आजाद देश

ओटावा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकियों के बीच किंग चार्ल्स का बड़ा बयान सामने आया है। कनाडा की संसद को संबोधित करते हुए किंग चार्ल्स ने कहा कि बेशक कनाडा एक मजबूत और आजाद देश है और कनाडा के लोगों को अपना लोकतंत्र, बहुलतावाद, कानून का शासन, स्वायत्ता, आजादी और अपने मूल्य बेहद प्यारे हैं और कनाडा की सरकार इन मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

दुनिया अब ज्यादा खतरनाक : डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा के विलय की धमकियों को लेकर इससे पहले किंग चार्ल्स ने सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कहा था। ऐसे में कनाडा की नई सरकार के पहले संसद सत्र के उद्घाटन के अवसर पर किंग चार्ल्स के भाषण पर सभी की निगाहें थीं। किंग चार्ल्स ने भी कनाडा के लोगों की चिंताओं को समझा और अपने भाषण में ट्रंप का नाम लिए बगैर कनाडा की आजादी का पूरा समर्थन किया। किंग चार्ल्स ने कहा कि कनाडा बेशक एक मजबूत और आजाद देश है। ट्रंप का नाम लिए बगैर किंग चार्ल्स ने कहा कि एक देश, जिसे कनाडा के लोग और मैं बहुत प्यार करता हूं, उसने कनाडा के निर्यात पर टैरिफ लगाने का फैसला किया है। मुक्त व्यापार व्यवस्था ने कनाडा को दशकों तक समृद्ध बनाया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं और हमें आंखें खोलकर रहना होगा। दुनिया अब ज्यादा खतरनाक और अस्थिर हो गई है। ब्रिटिश राजशाही में बीते 70 वर्षों में किंग चार्ल्स पहले राजा हैं, जिन्होंने कनाडा की संसद के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। कनाडा कॉमनवेल्थ का हिस्सा है। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने किंग चार्ल्स को कनाडा आने का आमंत्रण दिया था। कनाडा की सीनेट में जब किंग चार्ल्स ने अपना संबोधन दिया, उस वक्त कई पूर्व प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के जज और वरिष्ठ नेता भी सीनेट में मौजूद रहे। आमतौर पर कनाडा की संसद के उद्घाटन सत्र को किंग के प्रतिनिधि गवर्नर जनरल द्वारा संबोधित किया जाता है, लेकिन इस बार खुद किंग चार्ल्स कनाडा पहुंचे।

ट्रंप ने फिर दी धमकी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें ट्रंप ने कनाडा को अपने प्रस्तावित गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली का हिस्सा बनने की पेशकश की। ट्रंप ने लिखा कि मैंने कनाडा से कहा, अगर वे हमारे शानदार गोल्डन डोम सिस्टम का हिस्सा बनना चाहते हैं तो अगर वे अलग राष्ट्र बने रहते हैं तो इसकी कीमत 61 अरब डॉलर होगी, लेकिन अगर कनाडा, अमेरिका का 51वां राज्य बन जाता है तो इसकी लागत शून्य होगी। ट्रंप के इन दावों पर अभी तक कनाडा की प्रतिक्रिया नहीं आई है।

फ्रांस में लाइलाज रोगियों को मौत चुनने का मिलेगा अधिकार : पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के निचले सदन नेशनल असेंबली ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक विधेयक को मंजूरी दे दी। इस विधेयक के तहत फ्रांस में लाइलाज बीमारियों से ग्रस्त व्यस्क लोगों को मौत चुनने का अधिकार मिलेगा। यूरोप में लंबे समय से मौत चुनने के अधिकार को कानूनी करने की मांग उठ रही हैं। फ्रांस में भी लंबे समय से ऐसी मांग की जा रही है और महीनों से इस पर संसद में चर्चा में चल रही है। लंबी चर्चा के बाद मंगलवार को नेशनल असेंबली ने इसकी मंजूरी दे दी। अब इस विधेयक को उच्च सदन सीनेट में पेश किया जाएगा। प्रस्तावित विधेयक में जहां गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को मौत का विकल्प चुनने की मंजूरी दी गई है, वहीं इसके साथ कड़ी शर्तें भी लगाई गई हैं। शर्तों के तहत लाइलाज बीमारी होने पर मरीज को खुद ही जहर लेना होगा, लेकिन अगर वह खुद इस स्थिति में नहीं है कि खुद अपनी जान ले सके तो उस स्थिति में डॉक्टर या नर्स की मदद से व्यक्ति को जहर दिया जा सकेगा। विधेयक के तहत मौत का विकल्प चुनने के लिए मरीज का कम से कम 18 साल का होना जरूरी है। साथ ही उसका फ्रांस का नागरिक होना भी जरूरी है। मौत का विकल्प चुनने से पहले स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम यह सत्यापित करेगी कि व्यक्ति लाइलाज बीमारी से ग्रस्त है और उसका कोई इलाज नहीं है। साथ ही मरीज असहनीय पीड़ा से गुजर रहा है।

डेल्टा एयरलाइन की फ्लाइट में छिपे दो जंगली कबूतर, यात्री हैरान! उड़ान में हुई 1 घंटे की देरी

मिनियापोलिस, एजेंसी। मिनियापोलिस से मैडिसन विस्कॉन्सिन जाने वाली एक उड़ान अचानक एक घंटे की देरी से उड़ी और इसकी वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। दरअसल दो जंगली कबूतर विमान में छिपने की कोशिश कर रहे थे। यह घटना डेल्टा एयरलाइंस की उड़ान 2348 की है जिसमें 119 यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। यात्री टॉम काव ने बताया, यह बहुत ही अजीब था। उन्होंने बताया कि जब वह विमान में चढ़े तो उन्होंने शुरू में एक यात्री को फ्लाइट अटेंडेंट से यह कहते हुए सुना कि उसे लगता है कि विमान में एक कबूतर है। काव ने बताया कि वह शुरुआत में इस बात पर यकीन नहीं कर पाए। जैसे ही काव ने अपनी सीट बेल्ट बांधी उन्हें अपनी सीट से कुछ पंक्तियों आगे शोरगुल सुनाई दिया। उन्होंने देखा कि एक कबूतर विमान के अंदर घूम रहा था। पक्षी को हटाने के लिए बैगेज हैंडलर को विमान में बुलाया गया। काव ने बताया कि पायलट ने इंटरकॉम पर सभी को बताया कि विमान में वन्यजीव की स्थिति है। अभी विमान गेट से बाहर निकलकर उड़ान भरने के लिए तैयार ही हुआ था कि एक और कबूतर उभरा। काव ने कहा, यह गलियारे में घूम रहा था। इसके बाद किसी ने इसे पकड़ने की कोशिश की जिससे पक्षी केबिन में उड़ गया। काव द्वारा लिए गए वीडियो में पक्षी को उड़ते हुए दिखाया गया है जबकि एक यात्री कूदता है और जैकेट में जानवर को पकड़ने की कोशिश करता है वहीं एक महिला घबराकर चिल्लाती है। असफल प्रयास के बाद पक्षी विमान के पिछले हिस्से में आ गया। रिकॉर्ड किए गए ऑडियो के अनुसार पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स से गेट पर वापस जाने की अनुमति मांगी। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने आश्चर्यचकित होते हुए पूछा, आप लोगों को सहायता की आवश्यकता है या आप सब ठीक हैं? विमान पर एक कबूतर है और वह नहीं जा रहा? मेरे लिए यह पहली बार है। वाह... हे भगवान यह पागलपन है। काव ने बताया कि विमान के गेट पर वापस आने के बाद एक अन्य बैगेज हैंडलर को विमान में आने के लिए कहा गया।

ट्रम्प ने स्टूडेंट वीजा के इंटरव्यू पर रोक लगाई

अमेरिका जाने वाले छात्रों के सोशल मीडिया की जांच होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार ने विदेशी छात्रों के लिए नए वीजा इंटरव्यू पर रोक लगा दी है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मंगलवार को इसे लेकर एक आदेश जारी किया। आदेश का मकसद देश की यूनिवर्सिटीज में यहूदी विरोध और वामपंथी विचारों को रोकना है। रुबियो ने दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों को आदेश जारी कर कहा- वे स्टूडेंट वीजा के लिए नए इंटरव्यू शेड्यूल न करें, क्योंकि ट्रम्प सरकार अमेरिका आने वाले छात्रों के सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच को और सख्त करने जा रही है। उन्होंने आगे कहा- तत्काल प्रभाव से कांसुलर सेक्शन आगे के दिशानिर्देश जारी होने तक स्टूडेंट या एक्सचेंज विजिटर (एफ, एम और जे) वीजा के लिए नए अपॉइंटमेंट की इजाजत नहीं दे। हालांकि पहले से शेड्यूल किए गए इंटरव्यू हो सकते हैं, लेकिन लिस्ट में नए अपॉइंटमेंट नहीं जोड़े जाएं।

अधिकारी सोशल मीडिया पर लाइक्स और कमेंट जांच रहे - यह रोक एफ, एम और जे वीजा केटेगरी पर लागू होती है, जो ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय छात्रों और एक्सचेंज विजिटर्स को कवर करती हैं। दावा है कि ये इन प्रोग्राम्स के जरिए आने वाले छात्र अमेरिका सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं या यहूदी-विरोधी माहौल को बढ़ावा दे सकते हैं। ट्रम्प सरकार ने अधिकारियों को इंस्टाग्राम, टिकटॉक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर पोस्ट, लाइक, कमेंट और शेयर की जांच करने के भी आदेश दिए हैं, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले कंटेंट का पता लगाया जा सके।

द गार्जियन के मुताबिक अधिकारी मार्च से, उन छात्रों के सोशल मीडिया की जांच कर रहे हैं, जो फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों में शामिल थे। वे ऐसे पोस्ट के स्क्रीनशॉट ले रहे हैं, जिन्हें अपमानजनक माना जाता है, भले ही बाद में वह कंटेंट हटा दिया गया हो। हालांकि इस आदेश में यह साफ तौर पर नहीं बताया गया है कि भविष्य में सोशल मीडिया जांच में क्या देखा जाएगा।

विदेश सचिव मिस्री अमेरिका में, रणनीतिक तकनीकी सहयोग और व्यापार वार्ता पर की चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार (भारतीय समयानुसार) को अमेरिकी अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की और इंडिया-यूएस स्ट्रैटेजिक ट्रेड डायलॉग (भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता) के शीघ्र आयोजन पर चर्चा की। इसके साथ ही महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों को लेकर गंभीर मंत्रणा की। यह मुलाकात रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों में नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच उच्च स्तरीय सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वाशिंगटन में आयोजित बैठक में मौजूदा ढांचे को मजबूत करने और दोनों देशों के बीच प्रमुख तकनीकी और व्यापार पहलों पर गति बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने एक्स को बताया, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-अमेरिका सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की। उन्होंने तकनीकी और व्यापार सहयोग को गहरा करने के लिए भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता के शीघ्र आयोजन पर भी चर्चा की।

मिस्री वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं, इस दौरान उनका ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, उनकी यह यात्रा फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद हो रही है, जहां दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका समझौता - सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को बढ़ावा देना - 21वीं सदी के लिए रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक ढांचा लॉन्च किया था।

उस यात्रा के दौरान, पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त रूप से 21वीं सदी के लिए अमेरिका-भारत समझौता का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य सैन्य, वाणिज्यिक और तकनीकी क्षेत्रों में परिवर्तनकारी प्रगति को बढ़ावा देना है। जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण के बाद से यह पीएम मोदी की अमेरिका की पहली आधिकारिक यात्रा थी। उल्लेखनीय रूप से, पीएम मोदी नए प्रशासन के गठन के बाद अमेरिका में आमंत्रित किए जाने वाले शुरुआती विश्व नेताओं में से एक थे, यह यात्रा ट्रंप के शपथ ग्रहण के सिर्फ तीन सप्ताह के भीतर हुई थी।

यह यात्रा राष्ट्रपति ट्रंप के हाल के दावों के बाद हो रही है जिसमें उनके प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम समझौते की मध्यस्थता का बड़ा दावा किया था। हालांकि, नई दिल्ली ने लगातार कहा है कि युद्ध विराम समझौता पाकिस्तान की शत्रुता समाप्त करने की तत्काल अपील का परिणाम था, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी हवाई ठिकानों पर भारतीय सैन्य हमलों के बाद।

भारतीय अधिकारियों ने जोर देकर कहा है कि सटीक हमले से उत्पन्न दबाव के कारण इस्लामाबाद को युद्ध विराम की मांग करने के लिए मजबूर होना पड़ा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी पिछले सप्ताह स्पष्ट किया था कि हालांकि अमेरिका ने 7 से 10 मई के बीच भारत से संपर्क किया था, लेकिन ऐसा करने वाला वह अकेला देश नहीं था।

ऑस्ट्रेलिया की मुस्लिम सांसद फातिमा का बड़ा आरोप, शराब पिलाने का दिया ऑफर, टेबल पर चढ़कर...

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की मुस्लिम सांसद फातिमा पेमन ने संसदीय निगरानी संस्था से शिकायत की है कि उन्हें शराब पीने और नाचने के लिए कहा गया। एबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, फातिमा ने बुधवार को कथित तौर पर आरोप लगाया, मेरे एक पुरुष मित्र ने मुझे शराब पीने और मेज पर नाचने के लिए कहा।

सीनेटर फातिमा पेमन (30) ने आगे कहा कि वह शराब नहीं पीती हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके वरिष्ठ सहयोगी ने एक आधिकारिक समारोह में बहुत अधिक शराब पीने के बाद कई अनुचित टिप्पणियां कीं। फातिमा पेमन ने दावा किया कि उनसे कहा गया, चलो तुम्हारे लिए

कुछ शराब लाते हैं और तुम्हें मेज पर नाचते हुए देखते हैं। मैंने आस कोवर्ज से कहा, अरे माने एक लाइन बनाई है, दोस्त। और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

आपको बता दें कि फातिमा पेमन का जन्म अफगानिस्तान में हुआ था और वह ऑस्ट्रेलिया की संसद के अंदर हिजाब पहनने वाली पहली सीनेटर हैं। स्वतंत्र सीनेटर पेमन ने 2024 में वामपंथी लेबर सरकार से नाता तोड़ लिया, उस पर गाजा में फिलिस्तीनियों की मदद करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले - पूर्व राजनीतिक कर्मचारी ब्रिटनी हिगिंस ने 2021 में आरोप लगाया था कि संसदीय कार्यालय के अंदर उनके सहकर्मी ने उनके साथ बलात्कार किया, जिसके बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए।

नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह

मशहूर नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही कामी रीता ने मंगलवार को 31वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया। इस तरह उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

इस अभियान के आयोजक और सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा ने बताया कि कामी रीता (55 वर्षीय) ने सुबह करीब चार बजे मौसम सामान्य रहने पर 8,849 मीटर ऊंची चोटी के शिखर पर पहुंचे। वह इस बार भारतीय सेना की एडवेंचर विंग के एवरेस्ट अभियान की टीम का मार्गदर्शन कर रहे थे, जिसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज जोशी कर रहे थे।

काठमांडू पोस्ट ने मिंगमा शेरपा के हवाले से कहा, यह नई उपलब्धि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ने वाले वाले व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है, जिसके आसपास भी अभी तक कोई नहीं पहुंचा पाया है।

मिंगमा शेरपा ने आगे बताया कि चोटी पर पहुंचने के बाद कामी रीता सुरक्षित और स्थिर हैं। उन्होंने नीते उतरना शुरू कर दिया है और अब बेस कैंप की ओर लौट रहे हैं। हमेशा की तरह कामी ने अपने बेजोड़ कौशल और पेशेवर अनुभव को फिर से साबित किया है। हम उनकी इस महान उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं और जो विरासत वह बना रहे हैं, वह हमारे लिए गौरव का विषय है।

पिछले दो वर्षों में कामी रीता ने हर मौसम में दो बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की। इसके साथ ही उनकी सफल चढ़ाइयों की संख्या 30 हुई। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने बताया कि कामी रीता को कम उम्र से ही पर्वतारोहण का गहरा शौक था और वह बीते दो दशकों से अधिक समय से लगातार पहाड़ों पर चढ़ाई कर रहे हैं।

कामी रीता कौन हैं?: शेरपा समुदाय का गढ़ सोलुकुंभी क्षेत्र में जन्मे कामी रीता ने 1992 में अपनी पर्वतारोहण यात्रा शुरू की थी। वे एक सहायक कर्मचारी के रूप में एवरेस्ट पर जाने वाले अभियान समूह में शामिल हुए। उन्होंने पहली बार 1994 में एवरेस्ट पर चढ़ाई की। तब से लगभग हर साल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर लौटते रहे। कामी रीता के पिता पहले शेरपा पर्वत गाइडों में से एक थे। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने कहा कि कामी ने छोटी उम्र में ही चढ़ाई के लिए गहरा जुनून विकसित कर लिया था। अब दो दशकों से अधिक समय से चोटियों पर चढ़ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में वे सबसे प्रसिद्ध शेरपा गाइडों में से एक बन गए हैं। छांग दावा के अनुसार, कामी रीता ने 1994 से 2025 के बीच के-2 और माउंट लोत्से पर एक-एक बार, मनास्लू पर तीन बार और चो ओयू पर आठ बार चढ़ाई की है।

बेल्जियम की पर्यटकों को चेतावनी: हमारी ऐतिहासिक सड़कों के पत्थर चुराकर मत ले जाइए!

ब्रुग्स एजेंसी। बेल्जियम का सुंदर और ऐतिहासिक शहर ब्रुग्स इन दिनों एक अजीब सी परेशानी से जूझ रहा है। यूरोप के सबसे खूबसूरत और आकर्षक पर्यटन स्थलों में गिना जाने वाला यह शहर अपनी मध्ययुगीन इमारतों और खास पत्थर वाली सड़कों के लिए प्रसिद्ध है। इसी ऐतिहासिक सुंदरता के चलते ब्रुग्स का केंद्र यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट भी घोषित किया गया है। लेकिन अब वही खूबसूरती शहर के लिए मुसीबत बनती जा रही है। दरअसल, पर्यटक यहां की ऐतिहासिक सड़कों से चौकोर पत्थर उखाड़कर 'स्मृति-चिह्न' के रूप में अपने साथ ले जा रहे हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, *हर महीने करीब 50 से 70 पत्थर इस तरह गायब हो रहे हैं। ब्रुग्स प्रशासन के मुताबिक, प्रत्येक वर्ग मीटर सड़क को फिर से बनाने में लगभग 225 डॉलर का खर्च आता है। हालांकि कुछ सैलानी सोचते हैं कि एक-दो ढीले पत्थर उठाने से क्या फर्क पड़ेगा, लेकिन यह काम न सिर्फ विरासत को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। इसी चिंता को लेकर स्थानीय नागरिकों और अधिकारियों ने एक जागरूकता अभियान शुरू किया है जिसमें लोगों से अपील की जा रही है कि कृपया हमारी सड़कों के पत्थर चुराकर मत ले जाइए।

संक्षिप्त समाचार

अपराधियों की गिरफ्तारी संबंधी कार्यवाही में विलंब करने पर वनरक्षक श्री जुबेर खान निलंबित

रायसेन (निप्र)। वनमण्डल सामान्य रायसेन की परिक्षेत्र सिलवानी पश्चिम अंतर्गत दिनांक 15 अप्रैल 2025 को संदिग्ध मांस की जप्ती की जाकर संदिग्ध मांस का सेम्पल परीक्षण हेतु नानाजी देशमुख पशु चिकित्सालय एवं विज्ञान विश्विद्यालय प्रयोगशाला जबलपुर भेजा गया था। प्रयोगशाला जबलपुर में भेजे गये सेम्पल की जांच रिपोर्ट में जप्त मांस काला हिरण वन्यप्राणी होने की पुष्टि होने पर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। दिनांक 24.05.2025 को वन स्टाफ द्वारा वन अपराध प्रकरण क्रमांक 41200/14 दिनांक 16.05.2025 में काला हिरण शिकार के आरोपी फैसल पुत्र खालिद को हिरासत में लिया गया। आरोपी से पूछताछ जारी है। वन अपराध प्रकरण क्रमांक 41200/14 दिनांक 16 मई 2025 में अपराधी के विरूद्ध की जाने वाली कार्यवाही में लापरवाही बरतने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी संबंधी कार्यवाही में विलंब करने के कारण वनरक्षक श्री जुबेर खान को निलंबित कर दिया गया है।

सिलाई, अगरबत्ती निर्माण व उपार्जन से जुड़कर आशा बनी 'लखपति दीदी'

हरदा (निप्र)। हरदा विकासखण्ड के ग्राम हंडिया निवासी आशा केवट की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। वह भी कुछ काम करके अतिरिक्त आय प्राप्त कर अपने परिवार के संचालन में पति का हाथ बंटाना चाहती थी, लेकिन जानकारी के अभाव में कुछ नहीं कर पा रही थी। गांव में आशा को एक दिन पता चला कि महिलाओं के स्वसहायता समूहों को घर पर ही छोटे मोटे व्यवसाय शुरू करने के लिये सरकार से आर्थिक मदद मिलती है। बस फिर क्या था, आशा ने अपने आसपास की कुछ महिलाओं से बात कर रेवा आजीविका स्वसहायता समूह गठित कर लिया और समूह महिलाओं ने मिलकर अगरबत्ती निर्माण का व्यवसाय शुरू किया, जिससे उसे हर महिने लगभग 10 हजार रूपये की आय होने लगी। इसके अलावा आशा के स्वसहायता समूह ने गांव में सिलाई का कार्य भी शुरू किया, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय होने लगी। एक दिन आशा को मालूम चला कि सरकार गेहूं व चना उपार्जन का कार्य भी महिला स्वसहायता समूह को दे रही है। आशा ने अपने स्व सहायता समूह की महिलाओं के साथ मिलकर गेहूं व चना उपार्जन का कार्य भी शुरू कर दिया, जिससे अब आशा की वार्षिक आय लगभग ढाई-तीन लाख रूपये हो गई है। आय बढ़ने से आशा और उसके परिवार का जीवन स्तर सुधर गया है और वह अब बहुत खुश है क्योंकि गांव वाले उसे ''लखपति दीदी'' जो कहने लगे हैं।

शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्रशिक्षणार्थी 20 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग के लिए रवाना

बैतूल (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय हार्टफुलनेस फाउन्डेशन एवं शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल के बीच हुए एमओयू के अनुसरण में 26 मई 2025 को संस्था के फ्लोरीकल्चर एंड लेण्डस्केपिंग के 40 प्रशिक्षणार्थियों को व्यवसाय प्रशिक्षक श्री दिलीप बेले एवं कु. प्रतिमा गौरे के नेतृत्व में 20 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग के लिए कान्हा शांति वनम हैदराबाद रवाना किया गया। रवाना होने के पूर्व बैतूल रेल्वे स्टेशन पर हार्टफुलनेस संस्था के प्रतिनिधि डॉ.आनन्द मालवीय द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामना देते हुए ऑन जॉब ट्रेनिंग में मन लगाकर कौशल सीखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर हार्टफुलनेस संस्था के जिला संयोजक श्री रोहित बघेल, श्री बीआर गढ्हाड़े, श्री अनुराग तिवारी, संस्था प्राचार्य श्री रेवाशंकर पंडाग्रे, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी श्री दिलीप कुमार सोनी, प्लेसमेंट अधिकारी श्री विवेक दायमा, श्रीमती पुष्पा नागले, श्रीमती विनीता पाटिल, श्री रामनारायण गंगारे, श्री संदीप धुर्वे, श्री दुर्गेश भलावी, श्री सोमु मराठा उपस्थित रहे। संस्था प्राचार्य श्री रेवाशंकर पंडाग्रे ने बताया कि हार्टफुलनेस फाउंडेशन से हुए एमओयू के तहत संस्था में सभी प्रशिक्षणार्थियों के लिए 5 दिवसीय ध्यान शिविर आयोजित किये जा रहे है एवं विशेष रूप से फ्लोरीकल्चर एंड लेण्डस्केपिंग व्यवसाय के प्रशिक्षणार्थियों को हार्टफुलनेस संस्था के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय कान्हा शांति वनम फॉरेस्ट बाय हार्टफुलनेस में 20 दिवसीय नि:शुल्क ऑन जॉब ट्रेनिंग विगत 2 वर्षों से प्रदान की गयी।

विस्थापितो की समस्याओ का समाधान शीघ्र होगा - कलेक्टर

टेम मध्यम से सिंचाई परियोजना के विस्थापितो हेतु गठित समिति की बैठक सम्पन्न

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को टेम मध्यम सिंचाई परियोजना के विस्थापितो हेतु गठित समिति की बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि विस्थापितो की सभी समस्याओं का समाधान शीघ्र कराया जाएगा। इस दौरान बतलाया गया कि टेम मध्यम सिंचाई परियोजना हेतु भू-अर्जन की प्रक्रिया पूर्ण की गई है। परियोजना के लिए प्रशासकीय स्वीकृति, सैंच्य क्षेत्र, कुल जल भराव क्षमता, जीवित जल भराव क्षमता, बांध के डूब क्षेत्र की भूमि और विदिशा जिले में डूब प्रभावित भूमि के संबंध में संजय सागर बाह्य परियोजना की कार्यपालन यंत्री सुश्री प्रियंका भण्डारी के द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया है कि विस्थापन संबंधी कार्य आदर्श कालोनी के रूप में किया जाए। उन्होंने कालोनी के बीच में स्कूल और आंगनबाडी केन्द्र बनाए जाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि एक गौशाला भी बनाई जाएं। उन्होंने प्रत्येक विस्थापितो को प्रदाय की जाने वाली राशि बैंक खातो में जमा की जा रही है अतः उन सबका जीवन ज्योति बीमा के तहत बीमा अवश्य कराया जाए। बैठक में बताया कि टेम मध्यम सिंचाई परियोजना से प्रभावित कृषको की कुल संख्या 722 है जिसमें से 648 कृषको को आवार्ड पारित राशि का भुगतान किया जा चुका है। 74 कृषको की राशि भुगतान हेतु लंबित है। प्रभावित 1167 परिवारो के लिए पुर्नवास एवं पुर्नव्यवस्थापन कार्य किए जा रहे है जिनमें बिजली पानी, सीसी सडके, पक्की नालियां, पुलिया आदि का निर्माण किया जाएगा। इन परिवारो के निवास हेतु 800 वर्ग फुट भूखण्ड, प्रायमरी स्कूल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनबाडी भवन, खेल का मैदान, चैपाल, शांति धाम, धार्मिक स्थल मंदिर, सामुदायिक भवन, पार्क और शौचालय का निर्माण कार्य शामिल है।

टेम मध्यम सिंचाई परियोजना अंतर्गत प्रभावित भूमि अर्जन के कारण तहसील लटेरी के ग्राम दपकन, नैनागढ़, धीरगढ़ एवं बैरागढ़ में 440 व्यक्तियों के मकान प्रभावित हो रहे हैं। जिसमें प्रभावित मकान धारकों के अलावा अधिनियम 2013 की धारा 3ड के तहत सर्वेक्षित 727 कुटुंब भी निवासरत हैं, इस प्रकार तहसील लटेरी में कुल 1167 प्रभावित कुटुंबों का पुनर्व्यवस्थापन किया जाना है। उपरोक्तानुसार परिवारों (कुटुंबों) को जो

प्रभावित मकानों में स्थाई रूप से निवासरत हैं तथा जिनके अन्यत्र स्थानों पर निवास हेतु मकान नहीं है, को विस्थापित क्षेत्र में भूमि पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित कर शासकीय आवासीय पट्टे 40म20 = 800 वर्गफुट साईज के भूखंड प्रदाय किये जाएंगे। जिसकी समय सीमा भू-अर्जन प्रकरणों में अवार्ड पारित होने के उपरांत तीन माह होगी। अधिनियम 2013की दूसरी अनुसूची अनुसार प्रभावित कुटुंबो का निम्नानुसार पुर्नवास और पुनर्व्यवस्थापन सहायतायें, सुविधायें दी जाएंगी। ग्रामीण क्षेत्र में प्रभावित किसी मकान से वंचित किये जाने की दशा में प्रधानमंत्री आवास योजना विनिर्देशों के अनुसार एक निर्मित मकान उपलब्ध कराया जाएगा जिसका कुर्सी क्षेत्र 50 वर्गमीटर से कम नहीं होगा।कंडिका-1 में वर्णित फायदों को ऐसे किसी प्रभावित कुटुंबों को, जो वासक्षेत्र भूमि से रहित है और जो प्रभावित क्षेत्रों की अधिसूचना की तारीख के पूर्ववर्ती तीन वर्ष से अन्यून अवधि तक लगातार क्षेत्र में रह रहा है और जिसे ऐसे क्षेत्र से अनिच्छा से विस्थापित किया गया है भी विस्तारित किया जाएगा।

यदि कोई प्रभावित कुटुंब जो प्रस्थापित मकान को न लेने का विकल्प करता है, तो निर्मित मकान के बदले मकान के समतुल्य खर्च प्रधानमंत्री आवास योजना विनिर्देशों के अनुसार प्रस्थापित किया जा सकेगा। अर्जन से प्रभावित किसी कुटुंब को इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन एक से अधिक मकान नहीं दिया जाएगा।

ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब, को पाँच लाख रूपये का एक बारगी संदाय दिया जाएगा। ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब, जिसे अर्जित भूमि से विस्थापित किया गया है, को अधिनिर्णय की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक प्रतिमास तीन हजार रूपये के समतुल्य मासवार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब जो विस्थापित हुआ है, कुटुंब, भवन सामग्री, घरेलू सामग्री और पशुओं के स्थानांतरण के लिए परिवहन खर्च के रूप में एक बार पचास हजार रूपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। पशु या छोटी दुकान रखने वाले प्रत्येक प्रभावित कुटुंब ऐसी रकम की वित्तीय सहायता यथास्थिति, पशुबाड़े या छोटी दुकान के निर्माण के लिए, एक बारगी ऐसी रकम की वित्तीय सहायता प्राप्त करेगा जो समुचित सरकार द्वारा, न्यूनतम पच्चीस हजार रूपये की सीमा के अधीन रहते हुए अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।

किसी कारीगर, छोटे व्यापारी या स्वनियोजित व्यक्ति के प्रत्येक प्रभावित कुटुम्ब या ऐसे प्रभावित कुटुंब जिसके स्वामित्वाधीन प्रभावित क्षेत्र में गैर-कृषिक भूमि या वाणिज्यिक, औधोगिक या संस्थागत ढांचा है और जिसे भूमि अर्जन के कारण प्रभावित क्षेत्र से अस्वैच्छिक रूप से विस्थापित किया गया है, ऐसी रकम की एक बारगी वित्तीय सहायता पाएगा जो समुचित सरकार द्वारा न्यूनतम पच्चीस हजार रूपये की सीमा के अधीन रहते हुए अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए। प्रभावित कुटुंबों को जलाशय में मछली पकड़ने के अधिकार की अनुज्ञा ऐसी रीति में दी जा सकेगी जो समुचित सरकार द्वारा विहित की जाए।

विकसित भारत संकल्प पदयात्रा में शामिल हुए केंद्रीय कृषि मंत्री एवं राजस्व मंत्री

सीहोर (निप्र)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा भैरूंदा में आयोजित विकसित भारत संकल्प पदयात्रा में शामिल हुए। इस पदयात्रा के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री एवं राजस्व मंत्री जल स्वच्छता के लिए जल चौपाल कार्यक्रम, जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित जल संरक्षण कार्यक्रम एवं अनेक कार्यक्रमों में शामिल हुए। केंद्रीय कृषि मंत्री ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में श्रमदान भी किया।

इस अवसर पर भैरूंदा में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत को विकसित भारत बनाने के लिए देश में प्रत्येक गांव को विकसित बनाना आवश्यक है और प्रत्येक गांव को विकसित बनाने के लिए गांव के प्रत्येक व्यक्ति का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए हम सभी को एक साथ मिलकर कार्य करना होगा।

कार्यक्रम में विधायक श्री रमाकांत भार्गव, सीहोर विधायक श्री सुदेश राय, आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर, अनुसूचित जाति वित्त निगम की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला बारेला, पूर्व विधायक श्री राजेंद्र सिंह राजपूत, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, श्री रघुनाथ भाटी, पूर्व भाजप जिला अध्यक्ष श्री रवि मालवीय, श्री जसपाल अरोरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक शामिल हुए।

लखपति दीदी ऋतू पटवा की प्रेरणादायक यात्रा

नारी शक्ति पर केंद्रित शासन की कल्याणकारी योजना के लाभ से आत्मनिर्भर बनने की दास्तां

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के सार्थक परिणाम अब ज़मीनी स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। ग्राम माल्हनवाड़ा, तहसील बनखेड़ी, जिला नर्मदापुरम की श्रीमती ऋतू पटवा की यात्रा इसका जीता-जागता उदाहरण है।

पहले ऋतू पटवा और उनके समूह की अन्य सदस्य केवल 1000 से 1500 रुपये प्रतिमाह की मजदूरी पर निर्भर थीं। वर्ष 2018 में जब गाँव में आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह का गठन हुआ, तब ऋतू ने भी इससे जुड़कर अपने जीवन को एक नई दिशा देने का निर्णय लिया। उन्होंने समूह के माध्यम से सीआरपी (कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन) का कार्य शुरू किया जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई।

इसके बाद ऋतू पटवा ने लखपति दीदी बनने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सीएलएफ से 1,20,000 रुपये की सहायता प्राप्त कर गांव में मनिहारी दुकान शुरू की। इस पहल से न सिर्फ उनकी खुद की आय बढ़ी, बल्कि गाँव की महिलाओं को भी शहर से सामान लाने की परेशानी से मुक्ति मिली। उन्होंने गुणवत्ता और

सेवा को प्राथमिकता दी, जिससे ग्राहकों का विश्वास हासिल कर अपने व्यवसाय को स्थायित्व प्रदान किया।

ऋतू पटवा को मध्यप्रदेश शासन की लाडली बहना योजना से भी लाभ प्राप्त हुआ, जिसने उनके आत्मविश्वास और आर्थिक स्थिति को और अधिक मज़बूती दी। आज ऋतू पटवा न केवल मनिहारी दुकान चला रही हैं, बल्कि सिलाई कार्य और प्रशिक्षण भी दे रही हैं, जिससे उन्हें 17,500 रुपये तक की मासिक आय हो रही है।

इस संपूर्ण यात्रा में सरकार की योजनाओं, स्व-सहायता समूहों और स्वयं की मेहनत से ऋतू पटवा आज एक सशक्त, आत्मनिर्भर और समाज के लिए प्रेरणास्रोत महिला के रूप में उभरी हैं। उन्होंने न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर किया, बल्कि सामाजिक पहचान भी अर्जित की है।

आजीविका फ्रेश' ने बदली गुलाब बाई की जिंदगी

स्व-सहायता समूह और सरकारी योजनाओं ने दी आत्मनिर्भरता की राह, स्वयं का रोजगार स्थापित कर गुलाब बाई बनी लखपति दीदी

नर्मदापुरम (निप्र)। ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत अनेक महिलाओं की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम नंदरवाड़ा, विकासखंड सिवनीमालवा, जिला नर्मदापुरम की श्रीमती गुलाब बाई ने आनंदी आजीविका स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी जीवन यात्रा को नई दिशा दी है।

गुलाब बाई की आर्थिक स्थिति पहले बेहद कमजोर थी और कोई स्थायी रोजगार न होने के कारण वे कर्ज के बोझ तले दबी रहती थीं। लेकिन स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने 5000 रुपये का ऋण लेकर सब्जी व्यापार की शुरुआत की। धीरे-धीरे उन्होंने 10,000 रुपये का दूसरा ऋण लेकर व्यवसाय का विस्तार किया और फिर 25,000 रुपये समूह से तथा 15,000 रुपये अपनी बचत से जोड़कर ÷आजीविका फ्रेश÷ नाम से स्थायी सब्जी दुकान खोली।

आज गुलाब बाई की मासिक आय 12,000 से 15,000 रुपये और वार्षिक आय 1.20 लाख रुपये से अधिक हो गई है। उन्होंने अपनी मेहनत से एक लोडिंग ऑटो भी खरीदा है, जिसका उपयोग कोरोना काल में चलित सब्जी विक्रय के लिए किया और आपदा की घड़ी में ग्रामीणों को फल-सब्जी की सेवा प्रदान की।

गुलाब बाई आज न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, बल्कि सामाजिक रूप से भी सशक्त हो चुकी हैं। उन्हें मध्य प्रदेश शासन की लाडली बहना योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना का भी लाभ प्राप्त हुआ है। ये योजनाएं उनके जीवन में सहारा बनकर आईं और उन्हें स्थायित्व व सम्मान दिलाने में सहायक रहीं।

दीदी गुलाब बाई ने नारी शक्ति संकुल स्तरीय संगठन एवं राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन योजनाओं और समूह की बदौलत ही वे आज आत्मनिर्भर बन पाई हैं।

ग्राम गुनखेड़ की महिला कृषक श्रीमती कंचन ने पाली हाउस योजना से बदली अपनी तकदीर

बैतूल (निप्र)। प्रदेश सरकार इस वर्ष लोकमाता अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मनाने जा रही है। वहीं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मध्य प्रदेश शासन द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। शासन की इन्हीं योजनाओं में से एक पाली हाउस योजना का लाभ उठाकर आठनेर तहसील के ग्राम गुनखेड़ की महिला कृषक श्रीमती कंचन कनाठे ने अपने जीवन में उल्लेखनीय बदलाव किया है। पहले पारंपरिक खेती पर निर्भर रहने वाली श्रीमती कंचन ने जब उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से मार्गदर्शन लिया तब उन्हें फूलों और सब्जियों की उन्नत खेती का सुझाव मिला। इसके बाद उन्होंने पाली हाउस स्थापित कर सब्जी, गेंदा की खेती शुरू की। महिला कृषक श्रीमती कंचन ने बताया कि शुरुआत में थोड़ी हिचकिचाहट थी, लेकिन विभागीय अधिकारियों ने उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण और योजनाओं की पूरी जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने पूरी लगन से फूल उत्पादन शुरू किया। आज उनके खेतों में रंग-बिरंगे फूल लहलहा रहे हैं, जिन्हें वे भोपाल, नागपुर, पुणे सहित अन्य बड़े शहरों में भेज रही हैं। पहले जहां खेती से सीमित आमदनी होती थी, अब वह लाखों रुपये की कमाई कर रही हैं। इतना ही नहीं उन्होंने अपने पाली हाउस में अन्य ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को भी रोजगार दिया है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनुभूति पंथी के बढ़ते कदम, गांव के अन्य महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा स्रोत

विदिशा (निप्र)। महिला सशक्तिकरण की दिशा में विदिशा जिले की महिलाएं भी स्वाबलंवी होकर आत्मनिर्भर बनी हैं। मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को जानकर महिलाएं ना सिर्फ योजनाओं का लाभ ले रही हैं बल्कि स्वरोजगार से जुड़कर घर-गृहस्थी में भी हाथ बंटा रही हैं।

आज हम बात कर रहे हैं विदिशा जिले के ग्राम गुरारिया हवेली में शासकीय उचित मूल्य दुकान का संचालन करने वाली दुकान विक्रेता श्रीमती अनुभूति पंथी की। जो स्वयं आत्मनिर्भर होकर आजुविका मिशन के अंतर्गत बेतवा आजुविका स्व सहायता समूह का संचालन कर रही हैं और पंचायत के तीनों ग्रामों पठरी हवेली, धनौरा और बरखेड़ा जीतू के कुल 339 परिवारों को राशन विक्रय कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में उनके बढ़ते कदम अन्य महिलाओं को प्रैरित कर रहे हैं। समूह की अध्यक्ष और विक्रेता श्रीमती अनुभूति पंथु के साथ ही गांव की अन्य महिला सदस्य भी उनके समूह में जुड़ी हैं जो राशन वितरण का कार्य बखूबी निभा रही हैं। दुकान के संचालन से समूह को कमीशन राशि भी प्राप्त होती है जिससे समूह की सदस्यों को 1500 रुपये मासिक आय प्राप्त हो रही है।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती अनुभूति पंथी व समूह के अन्य सदस्यों द्वारा संलग्न परिवारों को प्रति माह नियमित रूप से राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। हितग्राहियों को प्रतिमाह दूरभाष के माध्यम से राशन प्राप्त करने के लिए अवगत कराया जाता है। उचित मूल्य दुकान पर हितग्राहियों की सुविधा के लिए मूलभूत सुविधाएं जैसे पीने का पानी, शौचालय, बैठने हेतु बेंच इत्यादि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। अनुभूति पंथी जो कि उचित मूल्य दुकान विक्रेता के साथ समूह की अध्यक्ष भी हैं उनके द्वारा प्रतिमाह हितग्राहियों से लगातार संपर्क कर राशन वितरण किया जाता है। इनके विशेष प्रयासों के कारण दुकान से प्रतिमाह अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को 98 प्रतिशत वितरण किया जाता है और दुकान से संलग्न 93 प्रतिशत हितग्राहियों की ई-केवाईसी का कार्य भी पूर्ण किया जा चुका है।

100 दिवस से अधिक समयावधि की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का प्राथमिकता से करें निराकरण- कलेक्टर

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन, विभागीय गतिविधियों और शसकीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण में प्रदेश में पहले स्थान पर रहने पर सभी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जब हम बेहतर कार्य करते हैं तो जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जो शिकायतें शेष हैं तथा नवीन प्राप्त होने वाली शिकायतों का भी यथाशीघ्र संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराएं। सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समयावधि में संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराएं। कोई भी शिकायत निम्न गुणवत्ता से निराकृत या बंद ना हो। उन्होंने 50 दिवस से अधिक समयावधि की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए जिला अधिकारियों को प्राथमिकता से उनका निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार 100 दिवस से अधिक समयावधि की शिकायतों की भी समीक्षा कर अधिकारियों को अभियान के रूप में शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रतिदिन शिकायतों के निराकरण की प्रगति की मॉनीटरिंग की जाए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने नॉन अटेन्डेन्ट शिकायतों की जानकारी लेते हुए खाद्य विभाग, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग आदि विभागों की शिकायतें नॉन अटेन्डेन्ट रहने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह स्वयं गंभीरतापूर्वक शिकायतों को देखें तथा निराकरण कराएं।

बैठक में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदारों को सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, भू-अभिलेख दुरूस्ती

आदि प्रकरणों का समयावधि में निराकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 15 दिवस में सीमांकन के अधिकाधिक प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित कराएं। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने पीओ डूडा तथा सभी सीएमओ को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत आवासों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों द्वारा किस्त की राशि का उपयोग आवास निर्माण में ही किया जाए, यह सुनिश्चित कराएं।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए सीएमएचओ को निर्देश दिए कि एएनसी पंजीयन के विरूद्ध शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराएं। उन्होंने टीकाकरण, प्रसूति सहायता योजना, आयुष्मान योजना आदि की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मरीजों को त्वरित और बेहतर उपचार मिले। इसी प्रकार शिक्षा विभाग और अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं अंतर्गत विद्यार्थियों को राशि भुगतान की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि शासकीय स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाएं। साथ ही प्रत्येक विद्यार्थी को पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जाए। महिला बाल विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवनों की प्रगति की समीक्षा कर शीघ्र कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला परिवहन अधिकारी को स्कूल और कॉलेज की बसों की जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से सभी एसडीएम को भी इसकी मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान अवैध उत्खनन और परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार वन विभाग की समीक्षा के दौरान अवैध रूप से पेड़ों की कटाई तथा वन भूमि पर अवैध उत्खनन करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में कृषि विभाग अंतर्गत जिले में उर्वरक की उपलब्धता, गेहूँ उपार्जन का भुगतान, समर्थन मूल्य पर तुअर विक्रय हेतु पंजीयन तथा अभी तक उपार्जन की मात्रा की जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर, अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने पर श्री मनीष कुमार अहिरवार ऊर्जा विभाग, श्री ऋषिकांत यादव नगर परिषद सिलवानी, श्री सुधीर उपाध्याय नगर परिषद गैरतगंज, श्री दानीश अहमद खान जनपद सीईओ बाड़ी, श्री प्रेम कुमार अहिरवार खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग सिलवानी, श्रीमती पूर्णिमा श्रीवास्तव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग बेगमगंज, श्री श्याम कुमार डोले लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग गैरतगंज, श्री भूरेलाल शाक्या ऊर्जा विभाग वितरण केन्द्र सिलवानी तथा श्री शैलेष पटेल ऊर्जा विभाग वितरण केन्द्र गैरतगंज को सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

संपादकीय

कोरोना : अधिक सतर्कता बरतनी होगी

देश में कोविड-19 के 257 मामलों की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक ने स्थिति को लेकर बैठक की जिसमें राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपात चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद व केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञ भी शामिल थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीक नजर रखे हुए है तथा सुनिश्चित कर रहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के उचित उपाय किए जाएं। एशिया में सिंगापुर, हांगकांग, चीन व थाईलैंड में इस दफा ओमिक्रोन के नये वेरिएंट जेएन1 व उसके सब-वेरिएंट एलएफ7 व एनबी1.8 जिम्मेदार बताया जा रहा है। 2023 में इसे पहली बार देखा गया था जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वेरिएंट ऑफ इंट्रेस्ट घोषित किया था जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पाया जा चुका है। सिंगापुर में मरीजों के अस्पताल में भर्ती के मामलों में बीते हफ्ते से 30त्न ज्यादा मामले तो हांगकॉग में इक्यासी गंभीर मामले सामने आए हैं। हालांकि थाईलैंड व चीन ने मरीजों की संख्या का खुलासा नहीं किया है परंतु हाई अलर्ट जारी किया जा चुका है। बूस्टर डोज लेने की सलाह भी दी जा रही है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन ने अंदेशा जताया है कि कोविड की लहर तेजी से बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि नया वेरिएंट न तो बहुत खतरनाक है, न तेजी से फैल रहा है। मगर गंभीर बीमारियों वाले मरीज व कमजोर लोगों को सतर्क रहने की जरूरत बताई जा रही है। इसके लक्षणों में खांसी, सिर दर्द, बुखार, आंखों में जलन, जुकाम, दस्त/उल्टियां, मांस-पेशियों में ऐंठन के साथ ही स्वाद या गंध न आना भी शामिल है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कोविड-19 के चपेट में आकर 2020-21 के दौरान पांच लाख से ज्यादा मौत हुई थीं। हालांकि इस आंकड़े को लेकर संदेह रहा है क्योंकि अंदेशा है, संक्रमण ने इससे कहीं ज्यादा लोगों को मौत की नींद सुलाया था। मगर जिस तेजी से इसके बढ़ने की खबरें आ रही हैं, उन्हें देखते हुए सरकार को अधिक सतर्कता बरतनी होगी। विशेषज्ञों को चेतावनी देने से ज्यादा जरूरी है, संक्रमण की चपेट में आ रहे देशों से आने वाले यात्रियों व सामान की सतर्कतापूर्वक जांच हो। उन्हें क्वेरंटाइन किया जाए। अपनी आबादी को देखते हुए हमें संक्रमण को लेकर चौकस रहना होगा।

महाराणा प्रताप: शौर्य, बलिदान एवं साहस का अमिट आलेख

- ललित गर्ग

हमारा देश भारत जिसे आस्था और विश्वास, शौर्य एवं शक्ति, बहादुरी और साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की वीरभूमि कहा जाता है, जहां की सभ्यता और संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति में शुमार है, जिसका अनुसरण संपूर्ण विश्व करता है। भारत की भूमि महान योद्धाओं की भूमि रही है, जिन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही एक वीर एवं साहसिक योद्धा एवं सच्चे भारतीय महानायक थे महाराणा प्रताप, जो राजपूतों के सिसोदिया वंश से संबंध रखते थे। महाराणा को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी अकबर के सामने समर्पण नहीं किया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के विरुद्ध उनके प्रबल प्रतिरोध ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की विशाल सेना का सामना करते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, वह आज भी शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है। उनके जीवन की घटनाएं गौरवमय इतिहास बनी है। वे एकलौते ऐसे महान् राजपूत योद्धा थे, जिन्होंने अकबर को चुनौती देने का साहस ही नहीं दिखाया बल्कि युद्ध के मैदान में लोहे के चने चबवाये। महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली थी। उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया। दोनों सेनाओं के बीच गोगुडा के नजदीक अरावली पहाड़ी की हल्दीघाटी शाखा के बीच यह युद्ध हुआ। इस लड़ाई को हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा प्रताप के पास जुझारू शक्ति की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने आखिरी समय तक अकबर से संधि की बात स्वीकार नहीं की और मान-सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करते हुए लड़ाइयां लड़ते रहे। इस युद्ध में उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी वीरगति को प्राप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और युद्ध जारी रखा। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ पर अपना अधिकार स्थापित करने की भरपूर कोशिश की। लेकिन महाराणा प्रताप ने कभी भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और जीवन भर मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहे। उनका परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहा। वे कई सालों तक जंगलों, गुफाओं और पहाड़ियों में रहे। उन्होंने पेड़ों की छाल से बने साधारण कपड़े पहने और जंगली फल और जड़ें खाईं। उनकी पत्नी और बच्चे कभी-कभी घास की रोटी खाते थे। फिर भी, उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया या मुगलों के साथ समझौता नहीं किया। उनके शौर्य और वीरता की कहानी को आज भी बहुत ही गर्व के साथ याद किया जाता है। राजस्थानी भाषा के ख्यात कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध राजस्थानी कविता 'पातल और पीथल' हल्दीघाटी युद्ध के बाद की घटनाओं पर आधारित राणा प्रताप के जीवन में आई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को दर्शाती है। आजाद भारत में महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों के त्याग एवं बलिदान, शौर्य एवं पराक्रम को विस्मृत करने की चेष्टायें व्यापक पैमाने पर हुई है। हमने इन असली महानायकों को भूलाकर अकबर एवं औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को नायक बनाने की भारी भूल की है, नायक अकबर नहीं महाराणा प्रताप हैं, उन्होंने औरंगजेब को घुटने टेकने पर मजबूर किया और घुट-घुट कर मरने पर मजबूर किया। सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश करने वाले भारत के नायक कैसे हो सकते? अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं एवं हिन्दू राष्ट्र के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी- भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचना एवं भारत की समृद्ध विरासत को लूटना। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। ये राष्ट्रनायक हमारी असली प्रेरणा हैं।

भारतीय इतिहास में जितनी महाराणा प्रताप की बहादुरी की चर्चा हुई है, उतनी ही प्रशंसा उनके घोड़े चेतक को भी मिली। कहा जाता है कि चेतक कई फीट ऊंचे हाथी के मस्तक तक उछल सकता था। कुछ लोकगीतों के अलावा हिन्दी कवि श्यामनारायण पांडेय की वीर रस कविता 'चेतक की वीरता' में उसकी बहादुरी की खूब तारीफ की गई है। जब मुगल सेना महाराणा के पीछे लगी थी, तब चेतक उन्हें अपनी पीठ पर लादकर 26 फीट लंबे नाले को लांघ गया, जिसे मुगल फौज का कोई घुड़सवार पार न कर सका। मेवाड़ की जनजाति 'भील' कहलाती है। भीलों ने हमेशा हर संकट एवं संघर्ष के क्षणों में महाराणा प्रताप साथ दिया। एक किवदंती है कि महाराणा प्रताप ने अपने वंशजों को वचन दिया था कि जब तक वह चित्तौड़ वापस हासिल नहीं कर लेते, तब तक वह पुआल यानी घास पर सोएंगे और पेड़ के पत्ते पर खाएंगे। आखिर तक महाराणा को चित्तौड़ वापस नहीं मिला। उनके वचन का मान रखते हुए आज भी कई राजपूत अपने खाने की प्लेट के नीचे एक पत्ता रखते हैं और बिस्तर के नीचे सूखी घास का तिनका रखते हैं। महाराणा प्रताप का बचपन भील समुदाय के साथ बिता, भीलों के साथ ही वे युद्ध कला सीखते थे, भील अपने पुत्र को कीका कहकर पुकारते है, इसलिए भील महाराणा को भी कीका नाम से पुकारते थे। महाराणा प्रताप का दिल और दिमाग ही नहीं, बल्कि उनका शरीर भी साहसी एवं लोह समान था। कहा जाता है कि महाराणा प्रताप 7 फीट 5 इंच लंबे थे। वह 110 किलोग्राम का कवच पहनते थे, वह 25-25 किलो की 2 तलवारों के दम पर किसी भी दुश्मन से लड़ जाते थे।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में गहराई और अपनापन आपको महसूस होगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना आपको सफलता देगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेगी। आज खर्चो की अधिकता रहेगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। आज ऑनलाइन शॉपिंग और मस्ती वाली गतिविधियों में समय बीतेगा।

सिंह राशि: आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह-मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही में सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जाएगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनाएंगे।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका काम अच्छा चलेगा।

बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी ...

कफील आजम अमरोहवी की एक मशहूर नज़्म है जिसे स्वर्गीय जगजीत सिंह ने अपना स्वर दिया था, कई बरस पहले लिखी और गाई ये नज़्म आज भी उतनी ही मकबूल है जितनी पहले थी। नज़्म के बोल हैं बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी, लोग बेवजह उदासी का सबक पूछेंगे, ये भी पूछेंगे कि तुम इतने परेशान क्यूं हो इस नज़्म की पंक्तियां प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह पर पूरी तरह फिट बैठ रही है उनकी जुबान से कर्नल सोफिया के बारे में जो कुछ भी निकला वो बहुत दूर तक चला गया । कहते हैं ना कि जुबान से निकली बात और धनुष से निकला तीर कभी वापस नहीं आ सकता, शायद इसलिए ताव ताव में और तालियां सुनने के चक्कर में शाह साहब ने कह तो दिया लेकिन जब उनके कहे पर पूरे देश में हल्ला मचा तब शाह साहब को समझ में आया कि अरे यार ये तो बड़ा गड़बड़ हो गया, बेचारे माफी पर माफी मांग रहे हैं, हर रोज एक नया माफी नामा लिखकर लाते हैं और वीडियो बना बनाकर डाल रहे हैं लेकिन उनके माफीनामा का कोई असर हो नहीं रहा, ये बात अलग है कि भाजपा सरकार उन्हें बचाने के लिए पूरी तरह से अडिग है लेकिन सरकार भी क्या करें न्यायालय के आदेशों के आगे वो भी मजबूर है । इसी नज़्म में आगे कहा गया है लोग बेवजह उदासी का सबक पूछेंगे ये भी पूछेंगे तुम इतने परेशान क्यूं हो । अब आप बताओ जिस मंत्री की गद्दी जाने वाली हो देश के बच्चे बच्चे को उनके बयान के बारे में मालूम पड़ गया है उसके बाद भी लोग उनसे उदासी का कारण पूछ रहे हैं,और तो और न केवल उदासी का कारण पूछ रहे हैं बल्कि ये भी पूछ रहे हैं कि आप इतने परेशान क्यूं हो। अरे भैया पूरे देश में विजय शाह जी की छीछालेदर हो रही है, रोज नेशनल और रीजनल चैनलों पर उनके मुखारविंद से निकले शब्दों पर बहस चल रही है। वे बेचारे मंत्रिमंडल की बैठक में शामिल नहीं हो पा रहे हैं इधर कांग्रेस उनको खोज कर लाने वाले को ग्यारह हजार रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा कर रही है अब ऐसे में वे उदास और परेशान ना हों तो क्या ढोल बजाकर डांस करें । लोग बाग भी मजा लेने में पीछे नहीं पीछे नहीं रहते । बेचारे विजय शाह सफाई दे दे कर हलाकान हो रहे हैं लेकिन कोई सफाई सुनने तैयार नहीं। कांग्रेस वालों का क्या, उन्हें तो मौका मिला भाजपा को घेरने का सो लग गए पीछे। अभी विजय शाह का मसला चल ही रहा था कि उपमुख्यमंत्री देवड़ा जी भी संज्ञा और सर्वनाम के चक्कर में उलझ गए बोलना कुछ चाह रहे थे और मुंह से निकल गया कुछ और, बस इसको भी लेकर उड़ गए कांग्रेसी। तमाम टीवी चैनल में डिबेट शुरू हो गई वे भी कह रहे हैं कि मेरा कहने का तात्पर्य कुछ और था और टीवी वालों ने कुछ और बता दिया।ऐसी कठिन परिस्थितियों में अपनी हर नेता को एक ही सलाह है कि जो कुछ भी बोलना हो उसकी पहले पचास बार रिहर्सल कर लो, कागज में लिख लो, हिंदी के व्याकरण विद्वानों से उसको चेक करवा लो उसके बाद कागज लेकर शब्दशह पढ़ डालो, अपने मन से एक भी शब्द ना बोलो, जितना लिखा है उतना ही पढ़ो क्योंकि आपने कुछ बोला और जनता ने कुछ समझा तो भिनिष्ठा होना तय है दूसरी बात जो सत्ता में होता है उस पर तो सब की निगाह रहती है अब देखो ना भाजपा के एक राज्यसभा सांसद ने बोल दिया कि पहलगाम में जिन महिलाओं का सुहाग उजड़ गया है उनमें वीरांगना जैसा जोश नहीं था ।

वक्फ बोर्ड कानून पर फैसले के इंतजार में देश

राकेश अचल

वक्फ़ संशोधन अधिनियम 2025 पर सुनवाई कर आदेश सुरक्षित रखा आदेश अब लोगों की धुकधुकी तेज कर रहा है. पूरा देश फैसले का बेसब्री से इंतजार कर रहा है फिर भी 1995 के कानून को अब चुनौती देने वाली याचिकाओं का सिलसिला थम नहीं रहा.

एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय की गुजारिश पर कोर्ट ने कहा कि इस नई अर्जी को वक्फ़ क़ानून को लेकर पहले से पेंडिंग केस में हस्तक्षेप याचिका के तौर पर सुना जाएगा. ये याचिका पारुल खेड़ा और हरिशंकर जैन की याचिका के साथ जोड़ दी गई है. इन याचिकाओं मे भी वक्फ कानून 1995 को चुनौती दी गई है. इन याचिकाओं पर अभी सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई नहीं की है. कोर्ट ने कहा था कि वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं से अलग इन याचिकाओं पर सुनवाई की जाएगी.

पारुल खेड़ा और हरिशंकर जैन की याचिकाओं में कहा गया है कि 1995 के वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं को कोर्ट ने हाई कोर्ट भेज दिया था लेकिन अब 2025 के वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर यहां सुनवाई हो रही हैय लिहाजा या तो उनकी याचिकाएं भी सुप्रीम कोर्ट सुने या फिर इनको भी पहले हाईकोर्ट भेजा जाए.

मंगलवार को याचिकाकर्ता के वकील अश्विनी उपाध्याय ने दलील दी कि हमारा मामला उन अर्जियों से अलग है क्योंकि कोर्ट ने पहले ही 1995 के संशोधित वक्फ अधिनियम को चुनौती देने वाला मामला अलग कर दिया था. कोर्ट ने कहा कि हम 1995 के अधिनियम को देरी के आधार पर खारिज क्यों न करें? 1995 के अधिनियम को 2025 में चुनौती देने का क्या औचित्य है?

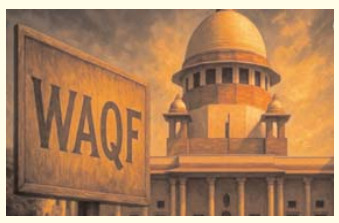

याचिकाकर्ता ने दलील दी कि ये तो एक आदेश है, उसके जरिए ही ये मामला अलग किया गया था. इस कोर्ट ने कहा कि फिर तो हमें उस याचिका को भी बुलाना चाहिए और उसे भी देरी के आधार पर खारिज कर देना चाहिए.

कोर्ट ने उपाध्याय से कहा कि कोर्ट की सहायता के लिए वो अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल यानी एएसजी को लाएं क्योंकि उनके बिना आदेश पारित नहीं किया जा सकता. मुख्य मामले के संदर्भ में एक याचिकाकर्ता ने अपनी हस्तक्षेप याचिका दाखिल करने के लिए पिछली याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी तो कोर्ट ने हामी भर दी.

सवाल ये है कि माननीय सुप्रीमकोर्ट फैसले को सुना क्यों नहीं रहा? फैसले सुरक्षित रखना माननीय अदालतों का अधिकार है लेकिन फैसले को रोकने के पीछे कोई वजह भी तो होना चाहिए. यहाँ मुश्किल ये है कि जैसे आप माननीय सरकार से कोई सवाल नहीं कर सकते वैसे ही कोर्टट से भी सवाल करने की मुमानियत है. सरकार से सवाल करना यदि देशद्रोह माना जाता है तो अदालत से सवाल करना अदालत की अवमानना मान ली जाती है. यहाँ %परम स्वतंत्र न सिर पर कोई%का सिद्धांत लागू माना जाता है.

मेरा कहना ये है कि जब हर क्षेत्र में नवाचार हो रहा है तो माननीय न्यायालय को भी फैसला सुरक्षित रखने की परंपरा में तब्दीली करना चाहिए. जब सुनवाई पूरी हो गई, फैसला लिख लिया गया, तब उसे सुरक्षित रखने का क्या औचित्य? अदालत के फैसले सुनाने के लिए किसी खास मुहू की जरुरत तो होती नहीं है. फैसलें को अकारण रोककर रहस्य कायम रखना अजूबा ही है. लोगों का तो पता नहीं लेकिन मेरे मन में सदैव ये प्रश्न पैदा होता है कि फैसला सुनाने में देरी करने के पीछे कोई लोकहित है, कोई न्यायहित है या सरकार का हित है?

जब तक वक्फ बोर्ड के नये कानून पर फैसला नहीं आता तब तक देश में बेचैनी बनी रहेगी. हवा में सिंदूर उडता रहेगा. इसलिए बेहतर हो कि हमारे मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई साहब एक नयी परंपरा डालें कि भविष्य में कोई फैसला लिखे जाने के बाद सुरक्षित नहीं रखा जाएगा, बल्किउसे फौरन सुनाया जाएगा.

फैसले सुरक्षित रखने के पीछे हालांकि दलीलें भी कम नहीं हैं. जानकर बताते हैं कि कुछ मामले संवैधानिक, सामाजिक, या कानूनी रूप से जटिल होते हैं। जजों को सभी पक्षों के तर्कों, सबूतों, और कानूनी मिसालों का गहन अध्ययन करने के लिए समय चाहिए।एक दलील ये भी है कि फैसले को सुरक्षित रखने से जजों को जल्दबाजी में निर्णय लेने के दबाव से बचने का मौका मिलता है। यह सुनिश्चित करता है कि फैसला निष्पक्ष, तर्कसंगत और कानून के अनुरूप हो।सुप्रीम कोर्ट के फैसले लिखित रूप में विस्तृत और तर्कपूर्ण होते हैं, जिनमें कानूनी सिद्धांतों और तर्कों का उल्लेख होता है। इसे तैयार करने में समय लगता है,

आतंकवादियों का सफाया बहुत जरूरी

गिरीश पांडे

आपरेशन सिंदूर' के तहत जिस प्रकार भारत के डिफेंस सिस्टम के सामने चीन की मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन बेहद बौने और फेल साबित हुए, ठीक वैसी ही स्थिति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी देखने को मिली।

भारत के इस अभियान के दौरान ट्रंप काफी सक्रिय दिखे और उन्होंने अपनी चौधराहट दिखाने के लिए 'मान न मान मैं तेरा मेहमान' की तर्ज पर जहां अपनी ओर से सबसे पहले सोशल मीडिया के जरिए भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की सूचना दी, वहीं एक कदम और आगे बढ़ते हुए उनका कहना था 'हमने भारत-पाक संघर्ष को रोकने में बहुत मदद की। मैंने दोनों देशों से कहा कि अगर आप संघर्ष रोकते हैं तो हम व्यापार करेंगे, नहीं तो कुछ नहीं।' और फिर अचानक कहा, 'ठीक है, हम रु कते हैं, और वे रुक गए।'

यह वक्तव्य था ट्रंप का जबकि यह सत्य से बिल्कुल परे था और ट्रंप द्वारा संघर्ष विराम का श्रेय लेने, व्यापार संबंधित धमकी एवं कश्मीर की मध्यस्थता से जुड़े बयान को भारतीय विदेश मंत्रालय ने पूरी तरह से खारिज कर दिया था। कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ तौर पर कह दिया है कि पाकिस्तान के साथ सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर और आतंकवाद के मुद्दे पर ही चर्चा होगी और न्यूक्लियर ब्लेकमेल बर्दाश्त नहीं होगा, वहीं पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए यह भी कहा है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। व्यापार और आंतकवाद एक साथ नहीं चल सकते। बाद में ट्रंप ने अपने सुर बदलते हुए कहा, 'मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैंने ही यह किया, लेकिन मैंने जरूर पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या सुलझाने में मदद की।' जबकि अमेरिका की छीछालेदर तो स्वयं पाकिस्तान ने उस समय कर दी थी जबट्रंप के संघर्ष विराम की घोषणा के तीन घंटे के भीतर ही पाकिस्तान ने चीन के उकसावे पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और अमेरिका को वि समुदाय के समक्ष मुंह की खानी पड़ी। यहां यह उल्लेख करना भी जरूरी होगा कि पहलगाम में पाकिस्तान की इस घिनौनी हरकत के बावजूद उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिलने वाले कुल 2.3 बिलियन डॉलर कर्ज में भी अमेरिका की भूमिका अप्रत्यक्ष रूप से काफी महत्वपूर्ण रही है।

इसका कारण यह है कि अमेरिका आईएमएफ का सबसे बड़ा शेयरधारक (स्टेकहोल्डर) है, और उसके पास आईएमएफ के निर्णयों पर प्रभाव डालने की क्षमता है, जबकि भारत ने इसका पुरजोर विरोध किया था। असल में पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से जो रौद्र रूप अपनाया उसकी पाकिस्तान को कल्पना तक नहीं थी। भारतीय जल, थल और नभ, तीनों सेनाओं के रणबांकुरों ने युद्ध में जो पराक्रम दिखाया, उससे पाकिस्तान को काफी नुकसान हुआ। भारतीय हमले की जद में पाकिस्तान का परमाणु जखीरा भी आ गया जिस पर पाकिस्तान को नाज था और भारत को बार-बार गीदड़भभकी देता था। इससे घबराया पाकिस्तान अमेरिका की शरण में जाकर सीजफायर करवाने के लिए गिड़िगड़ाया और उसके बाद उसके सैन्य अभियान महानिदेशक ने भारत से संपर्क साधा। चीन और तुर्किए ने भी पाकिस्तान की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने में सहयोग का आासन देकर उसके प्रति अपनी एकजुटता प्रदर्शित की, लेकिन चीन ने पाकिस्तान को हथियारों की सप्लाई किए जाने का खंडन किया, जबकि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च (सिपरी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने 2020-24 तक चीन के हथियारों की खरीद का 81 प्रतिशत हासिल किया है। असल में चीन को अब अपने हथियारों की गुणवत्ता और उन्हें निर्यात करने में आने वाली परेशानी का पता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' से चीन भी निश्चित तौर पर आतंकित होगा क्योंकि पहले ही पूर्वी लद्दाख की घटना में भी उसने भारत की सैन्य शक्ति को देख लिया था और 4 साल से अधिक समय तक चले सैन्य गतिरोध के बाद उसे पीछे हटना पड़ा था। जहां तक तुर्किए का संबंध है, तो यह वही तुर्किए है जहां फरवरी, 2023 में आए तीव्र भूकंप के बाद जिस तरीके से भारत की ओर से 'ऑपरेशन दोस्त' के तहत भारतीय सेना ने आपदा के 12 घंटे के भीतर राहत सामग्री के साथ अपने बचाव दल तैयार कर वहां भेजे थे।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही परिवार की लॉटरी खुली

- सनत जैन

राजनीति में नैतिकता अब पूरी तरह से खत्म हो गई है। सत्ता में बैठे हुए राजनेता अपनी शक्तियों का उपयोग स्वयं के लिए, परिवार और इष्ट मित्रों को ध्यान में रखते हुए सत्ता का उपयोग कर रहे हैं। यह बात इसलिए कहीं जा रही है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी माह में राष्ट्रपति पद की शपथ ली। उसके बाद वह जिस तरह की नीतियां बना रहे हैं। उन नीतियों के कारण दुनिया भर के उद्योगपतियों और राज नेताओं को यह बात समझ आ गई है। यदि उन्हें अपना कारोबार बचाना है, तो ट्रंप का आर्शीवाद जरूरी होगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और परिवार के अन्य सदस्य इन दिनों दुनिया के देशों में घूम-घूमकर, गिफ्ट इकट्ठी कर रहे हैं। ट्रम्प परिवार अपने व्यापार में वृद्धि करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वियतनाम, इंडोनेशिया जैसे एशियाई देशों में ट्रंप के परिवार ने अरबों डॉलर के प्रोजेक्ट हासिल कर लिए हैं। अमेरिका की सरकार से अपने संबंधों को बेहतर करने के लिए करीब एक दर्जन देशों में ट्रंप के परिवार की खूब खातिरदारी हो रही है। उन्हें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट दिए जा रहे हैं। ऐसे दर्जनों मामले अभी तक सामने आ चुके हैं। ट्रंप को अमेरिका का राष्ट्रपति बने हुए अभी 5 माह भी पूरे नहीं हुए हैं। ट्रंप परिवार की कमाई इन 5 महीनों में कई गुना बढ़ गई है। हजारों करोड़ रुपए के नए-नए प्रोजेक्ट ट्रंप परिवार की कंपनियों को मिले हैं। ट्रंप अमेरिकी सरकार के जो भी निर्णय कर रहे हैं। उसमें उनके परिवारजनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ट्रंप के परिवार ने पिछले 5 महीने में एक दर्जन से ज्यादा देशों में अपना कारोबार फैलाया है। टैरिफ को लेकर दुनिया के सभी देशों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भयाक्रांत किया है। जिसके कारण दुनिया भर के उद्योगपति और विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, ट्रम्प को प्रभावित करने के लिए उनके परिवार के साथ अपने रिश्ते बेहतर करके, गंगा में नहाने का पुण्य प्राप्त कर रहे हैं। वियतनाम के विन पुक प्रांत में 13000 करोड रुपए का ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ रिसोर्ट प्रोजेक्ट इसका ताजा मामला है। वियतनाम की सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकता बताकर भूमि अधिग्रहण और वित्तीय छूट देकर ट्रंप परिवार के लिए कमाई के नए अवसर खोल दिए हैं। इसी तरह का एक प्रोजेक्ट इंडोनेशिया के बाली में गोल्फ कोर्स और होटल इत्यादि के लिये ट्रम्प परिवार को मिला हैं। इसमें भी इंडोनेशिया की सरकार ने सभी नियम कानून को दरकरार करते हुए ट्रंप परिवार के ऊपर मेहरबानी की है। दुनिया के देशों में सत्ता में बैठे हुए सत्ताधीस खुले आम अनैतिक रूप से काम करने लगे हैं। नैतिकता की कोई स्थिति देखने को नहीं मिल रही है। सत्ता में बने रहने के लिए हर स्तर पर सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। निजी हितों को ध्यान में रखते हुए नियम, कायदे और कानून बनाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में राजनीति का स्वरूप तेजी से बदला है। उसमें लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं पूरी तरह से खत्म होती जा रही हैं। एक तरह से पूंजीवादी व्यवस्था शासन व्यवस्था का अंग बनती जा रही है। आर्थिक कारणों से सत्ता में बैठे हुए लोग पक्षपात पूर्ण निर्णय कर रहे हैं। अमूमन यह स्थिति अधिकांश देशों में देखने को मिल रही है। राजनीति में आकर सत्ता के सिंहासन में बैठकर मनमाने तरीके से पैसे कमाने का जो चलन राजनेताओं के परिवारों और उनके पूंजीपति मित्रों में देखने को मिल रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग शासन व्यवस्था से दूर होता जा रहा है। शासन व्यवस्था में बैठे हुए लोग अब पूंजीपतियों और निजी हितों को ध्यान में रखते हुए सरकारी नीतियां बना रहे हैं। अमेरिका जैसे देश में जब यह सब खुले आम हो रहा है। इसका असर दुनिया के देशों में किस तरह का पड़ेगा, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के नाम पर जिस तरह की तानाशाही शासन व्यवस्था स्थापित होती जा रही है। उसके कारण अब गरीब और मध्यम वर्ग का गुजारा बहुत मुश्किल हो गया है। सामाजिक एवं राजनीतिक स्थितियों में इस बदलाव के कारण दुनिया के देशों में अशांति फैलती जा रही है। ठीक 100 साल पहले की स्थिति में पूरी दुनिया पहुंचती हुई दिख रही है। पूंजीवादी व्यवस्था यदि इसी अनैतिकता के साथ आगे बढ़ती रही, तो बगावत जैसी स्थितियां बनते देर नहीं लगेगी। प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के समय राजतंत्र और पूंजीवादी व्यवस्था में जिस तरह की तानाशाही प्रवृत्ति थी। वही प्रवृत्ति वतर्मान में देखने को मिल रही है। उससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ने लगी है। लोग अब इसकी चर्चा करने लगे हैं। समय रहते यदि इस स्थिति पर नियंत्रण नहीं किय गया, तो आने वाले वर्षों में मानव समाज और मानव सभ्यता को सुरक्षित रख पाना बहुत मुश्किल होगा। दुनियाभर के हुक्मरानों को इतिहास से सबक लेने की जरूरत है। बगावत की स्थिति में सत्ता में बैठे हुए लोगों के लिये जान-माल का सबसे बड़ा खतरा होता है।

खबर संक्षेप

दुर्घटना में दो लोगों की मौत और कम से कम 40 अन्य घायल

टेनेसी। अमेरिका के टेनेसी प्रांत में बस और एक अन्य यात्री वाहन के बीच टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'टेनेसी हाईवे पेट्रोल' के एक बयान के अनुसार यह दुर्घटना सोमवार शाम मैडिसन काउंटी के एक राजमार्ग पर हुई। टेनेसी 'डिपार्टमेंट ऑफ सेफ्टी एंड होमलैंड सिक्योरिटी' के विशेष एजेंट एवं प्रवक्ता जेसन पैक के अनुसार कम से कम दो लोगों की मौत हुई है। मैडिसन काउंटी के अग्निशमन विभाग द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट के अनुसार इस घटना में लगभग 40 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 27 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस संचालन कंपनी के प्रवक्ता ने एक मीडिया संस्थान को बताया कि 32 यात्रियों को लेकर बस मेम्फिस से नैशविले जा रही थी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में भर्ती कराए गए अधिकतर लोगों को छुट्टी दे दी गई है।

बीएसएफ के बलिदानी प्रेम सिंह को तीन दशक बाद मिला सम्मान

रानीखेत। करीब तीन दशक पहले देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के लांस नायक प्रेम सिंह रावत को आखिरकार शहीद का दर्जा मिल गया है। यह गौरवपूर्ण क्षण उनके परिजनों और गांववालों के लिए गर्व और भावुकता से भरा रहा। उन्हें भारत सरकार और बीएसएफ महानिदेशालय ने आधिकारिक रूप से शहीद का सम्मान-पत्र प्रदान किया। ताड़ीखेत ब्लॉक के रिकोशा गांव निवासी प्रेम सिंह रावत 1984 में बीएसएफ में भर्ती हुए थे। वह 57वीं बटालियन में लांसनायक (सामान्य ड्यूटी) के रूप में भारत-बांग्लादेश सीमा की जलांगी चौकी (दक्षिण बंगाल) में तैनात थे। 23 अगस्त 1994 को बांग्लादेशी तस्करों से मुठभेड़ में उन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर देश की सुरक्षा की। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर 24 अगस्त को पद्मा नदी से बरामद किया गया था। वर्षों तक उनके बलिदान को औपचारिक पहचान नहीं मिली लेकिन 30 साल बाद आखिकार उन्हें शहीद का दर्जा दिया गया है।

दम तोड़ रहे एएनएम सेंटर और प्रशिक्षण केंद्र

उत्तरकाशी। जनपद के डुंडा विकासखंड के भकड़ा में स्थित एएनएम केंद्र स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण बदहाल पड़ा है। वहीं नेताला में एएनएम प्रशिक्षण केंद्र की लाखों की लागत से बना भवन भी जर्जर बना है। डुंडा विकासखंड मुख्यालय से महज पांच किमी की दूरी पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से भकड़ा में एएनएम केंद्र का निर्माण किया गया था, लेकिन उसके बाद उसका कोई प्रयोग नहीं हुआ। वहीं अब उसकी अनदेखी के कारण इसके आसपास झाड़ियां उग आई है। वहीं भवन भी जर्जर स्थिति में पहुंच गया है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि इसके निर्माण के लिए दोबारा विभाग की ओर से धनराशि स्वीकृत कर टेंडर प्रक्रिया की जा रही है। यह एक बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है कि जब पुराने भवन का ही प्रयोग नहीं हुआ, तो अब इस पर सरकारी धन का दुरुपयोग क्यों किया जा रहा है। साथ ही नेताला में लाखों की लागत से बना एएनएम प्रशिक्षण केंद्र भी अब नशेड़ियों का अड्डा बन चुका है। वहां पर भी उसका वर्षों से प्रयोग नहीं होने के कारण वह भी जर्जर स्थिति में पहुंच गया है। वहीं वह अब स्थानीय लोगों की ओर से स्टोर रूम के रूप में प्रयोग की जा रही है। सीएमओ डॉ. बीएस रावत का कहना है कि इन दोनों केंद्रों की स्थिति को दिखवाया जाएगा। वहीं स्थिति को जल्द ही सुधारा जाएगा।।

राफाह में आटा-चावल लेने के लिए उमड़ी लाखों की भीड़

सहायता केंद्र पर किया हमला

इजरायल, एजेंसी।

गाजा में भुखमरी से हालात इस कदर बिगड़ गए हैं कि अब लोगों की भीड़ सहायता केंद्रों पर ही हमला कर रही है। अमेरिका के समर्थन वाले फाउंडेशन द्वारा स्थापित एक नए सहायता वितरण केंद्र पर उमड़ी भीड़ पर सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कम से कम एक फलस्तीनी नागरिक की मौत हो गई और 48 अन्य घायल हो गए।

इजरायल हमास युद्ध की वजह से गाजा के भीतर लाखों फिलिस्तीनी दाने दाने को मोहताज हो गए हैं। 18 मार्च 2025 को जब इजरायल और हमास के बीच सीजफायर टूटा तो इजरायल ने गाजा का राशन पानी से लेकर सबकुछ बंद कर दिया। नेत्याहू के इस एक्शन की वजह से गाजा के भीतर लाखों बच्चे भुखमरी के कगार पर आ गए। गाजा के भीतर फिलिस्तीनी भूख प्यास से तड़प रहे हैं। इजरायल ने करीब 11 हफ्तों से गाजा के भीतर खाने पीने की चीजों पर बैन लगा दिया था। लेकिन अब एक बार फिर अमेरिका द्वारा समर्थित मानवीय सहायता के तहत गाजा के भीतर खाने पीने की चीजें भेजी गई हैं। जैसे ही गाजा के भीतर राफाह में ये मदद पहुंची। लाखों लोगों की भीड़ खाने पीने के पैकेट लेने के लिए उमड़ पड़ी।

गाजा में भुखमरी से हालात इस कदर बिगड़ गए हैं कि अब लोगों की भीड़ सहायता केंद्रों पर ही हमला कर रही है। अमेरिका के समर्थन वाले फाउंडेशन द्वारा स्थापित एक नए सहायता वितरण केंद्र पर उमड़ी भीड़ पर सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कम से कम एक फलस्तीनी नागरिक की मौत हो गई और 48 अन्य घायल हो गए। फलस्तीनियों की भीड़ ने सहायता वितरण केंद्र पर कब्जा कर लिया था। भीड़ ने बाड़ों को तोड़ दिया और 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के एक पत्रकार ने इजराइल के टैंक से गोलाबारी और गोलीबारी की आवाज सुनी तथा एक सैन्य हेलीकॉप्टर से गोलीबारी होते देखी। अभी यह ज्ञात नहीं है कि गोलीबारी में इजराइली सेना शामिल है या निजी सुरक्षा गार्ड अथवा कोई अन्य। फाउंडेशन ने कहा कि उसके सुरक्षा गार्ड ने भीड़ पर गोली नहीं चलाई, बल्कि वे अभियान फिर से शुरू करने से पहले पीछे हट गए ।

इजरायल ने कहा कि उसके सैनिकों ने निकटवर्ती क्षेत्र में चेतावनी स्वरूप गोलियां चलाईं। फलस्तीनी क्षेत्रों के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के प्रमुख अजित सुनघे ने इससे पहले जिनेवा में पत्रकारों से कहा था कि 47 लोग घायल हुए हैं जिसमें अधिकतर गोलीबारी में घायल हुए हैं। एक अलग घटना में इजराइल ने कहा कि उसने यमन की राजधानी सना में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को हवाई हमले किए। हाल के दिनों में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने देश को निशाना बनाकर कई मिसाइल दागे थे, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

मारपीट मामले में भाजपा विधायक को दो साल के कारावास की सजा सुनायी

दरभंगा, एजेंसी।

की एमपी/एमएलए अदालत ने समैला निवासी उमेश मिश्रा पर 29 जनवरी, 2019 को हमला करने और उन्हें चोट पहुंचाने के लिए 22 फरवरी को दोनों को तीन महीने के कारावास की सजा सुनायी थी और 500-500 रुपये का जुर्माना लगाया था। बिहार के दरभंगा जिले की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मिश्रीलाल यादव और उनके एक सहयोगी को 2019 के मारपीट के एक मामले में मंगलवार को दो-दो साल के कारावास की सजा सुनायी।

विशेष सांसद/विधायक अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर ने मिश्रीलाल यादव और उनके सहयोगी सुरेश यादव पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। सहायक लोक अभियोजक रेणु झा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, अलीनगर के विधायक ने अदालत के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी, जिसने उन्हें तीन महीने के कैद की सजा सुनायी थी और 500 रुपये का जुर्माना लगाया था।''उन्होंने कहा, ''दरभंगा में विशेष एमपी/एमएलए अदालत के विशेष न्यायाधीश सह अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट करुणा निधि प्रसाद आर्य ने जनवरी 2019 में उमेश मिश्रा नामक व्यक्ति को स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए दोनों को फरवरी में तीन-तीन महीने कैद की सजा सुनायी थी। उनकी याचिका खारिज कर दी गई, जबकि अदालत ने उमेश मिश्रा की याचिका स्वीकार कर ली, जिन्होंने उनकी सजा बढ़ाने का अनुरोध किया था।'' झा ने बताया कि मिश्रा की याचिका स्वीकार करने और दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने दोनों की सजा तीन महीने से बढ़ाकर दो साल कर दी और दोनों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

सूडान में हैजा फैलने से एक हफ्ते में 170 से अधिक लोगों की मौत

सूडान, एजेंसी।

सूडान में हैजा फैलने से बीते एक सप्ताह में कम से कम 172 लोगों की मौत हो गई है और 2,500 से अधिक लोग बीमार पाए गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, सबसे ज्यादा मामले राजधानी खार्तूम और उससे सटे शहर ओमडुरमैन में सामने आए हैं। उत्तरी कोर्डोफन, सेन्नार, गजीरा, वाइट नील और नील नदी प्रांतों में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है। 'डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' (एमएसएफ) की सूडान समन्वयक जॉयस बेक्कर ने बताया कि मई के मध्य से संक्रमण के मामलों में तेज़ी आयी है। सिर्फ पिछले हफ्ते एमएसएफ की टीमों ने 2,000 से अधिक संदिग्ध मरीजों का इलाज किया। कई मरीज देर से पहुंच रहे हैं जिससे उन्हें बचाना मुश्किल हो रहा है। सूडान के स्वास्थ्य मंत्री हैथम इब्राहिम ने कहा कि खार्तूम क्षेत्र में पिछले चार हफ्तों से हर सप्ताह 600-700 नए मामले सामने आ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हैजा एक अत्यंत संक्रामक जलजनित रोग है, जो गंभीर दस्त और निर्जलीकरण का कारण बनता है और समय पर इलाज न होने पर कुछ ही घंटों में जानलेवा साबित हो सकता है।

ईरान गए तीन भारतीयों के परिजन लापता

दूतावास ने ईरानी अधिकारियों को किया सूचित, जांच में जुटा प्रशासन

तेहरान, एजेंसी।

भारत के तीन नागरिक जो हाल ही में ईरान की यात्रा पर गए थे, उनके परिवार वालों ने भारतीय दूतावास को बताया है कि वे लापता हो गए हैं। इस पर भारतीय दूतावास ने, तेहरान में ईरानी अधिकारियों के समक्ष इस मामले को तुरंत सूचित किया है।

इस मामले में ईरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने ईरानी प्रशासन से साफ-साफ कहा है कि लापता भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द ढूंढा जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। भारतीय दूतावास ने यह भी बताया है कि वे लगातार लापता लोगों के परिवारों से संपर्क में हैं और इस मामले में हो रही कार्रवाई से उन्हें हर अपडेट दे रहे हैं।

भारतीय दूतावास ने कहा, हमने यह मामला मजबूती से उठाया है और ईरान सरकार से निवेदन किया है कि इन भारतीय नागरिकों को ढूंढने के लिए जरूरी कदम तुरंत उठाए जाएं।% इस घटना को लेकर भारत सरकार की ओर से चिंता जाहिर की गई है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इन नागरिकों का पता चल जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ये सभी पंजाब के अन्य-अन्य जिलों के रहने वाले हैं। जो 11 मई को तेहरान पहुंचे और उसके बाद से ही लापता है। परिजनों के अनुसार, एक ट्रैवल एजेंट ने उन सभी को ऑस्ट्रेलिया भेजने का वादा किया और ईरान में रुकने की सुविधा कराने की बात कही, लेकिन ईरान पहुंचने के बाद से उनका कोई अता-पता नहीं है।

पृथ्वी के करीब से गुजरेगा क्षुद्रग्रह

नैनीताल, एजेंसी।

एक विशाल क्षुद्रग्रह बहुत तेजी से पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। यह आज पृथ्वी के बेहद करीब से गुजरेगा। एस्टेरॉयड के विशाल आकार की वजह से विश्वभर के वैज्ञानिक इस खगोलीय घटना पर नजर बनाए हुए हैं। 2025 जेआर नाम का एक विशाल क्षुद्रग्रह बहुत तेजी से पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। यह आज पृथ्वी के बेहद करीब से गुजरेगा। एस्टेरॉयड के विशाल आकार की वजह से विश्वभर के वैज्ञानिक इस खगोलीय घटना पर नजर बनाए हुए हैं।

फ्रांस में लाइलाज रोगियों को मौत चुनने का मिलेगा अधिकार, विरोध भी कम नहीं

पेरिस, एजेंसी।

फ्रांस में बीते 20 वर्षों से मौत का विकल्प चुनने का अधिकार देने की मांग की जा रही है। बीते महीने राष्ट्रपति मैक्रों ने सुझाव दिया था कि अगर यह विधेयक संसद में फंसा रहता है और इसे मंजूरी नहीं मिल पाती है तो वे फ्रांस के मतदाताओं से पूछकर एक जनमत के जरिए भी इस विधेयक को मंजूर कर सकते हैं।

फ्रांस के निचले सदन नेशनल असेंबली ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक विधेयक को मंजूरी दे दी। इस विधेयक के तहत फ्रांस में लाइलाज बीमारियों से ग्रस्त व्यस्क लोगों को मौत चुनने का अधिकार मिलेगा। यूरोप में लंबे समय से मौत चुनने के अधिकार को कानूनी करने की मांग उठ रही हैं। फ्रांस में भी लंबे समय से ऐसी मांग की जा रही है और महीनों से इस पर संसद में चर्चा में चल रही है। लंबी चर्चा के बाद मंगलवार को नेशनल असेंबली ने इसकी मंजूरी दे दी। अब इस विधेयक को उच्च सदन सीनेट में पेश किया जाएगा। प्रस्तावित विधेयक में जहां गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को मौत का विकल्प चुनने की मंजूरी दी गई है, वहीं इसके साथ कड़ी शर्तें भी लगाई गई हैं। शर्तों के तहत लाइलाज बीमारी होने पर मरीज को खुद ही जहर लेना होगा, लेकिन अगर वह खुद इस स्थिति में नहीं है कि खुद अपनी जान ले सके तो उस स्थिति में डॉक्टर या नर्स की मदद से व्यक्ति को जहर दिया जा सकेगा। विधेयक के तहत मौत का विकल्प चुनने के लिए मरीज का कम से कम 18 साल का होना जरूरी है। साथ ही उसका फ्रांस का नागरिक होना भी जरूरी है।

मौत का विकल्प चुनने से पहले स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम यह सत्यापित करेगी कि व्यक्ति लाइलाज बीमारी से ग्रस्त है और उसका कोई इलाज नहीं है। साथ ही मरीज असहनीय पीड़ा से गुजर रहा है। इस सत्यापन के बाद ही मौत चुनने का विकल्प मिलेगा। मानसिक रोगियों को मौत चुनने के विकल्प से बाहर रखा गया है। विधेयक के तहत बीमार व्यक्ति को अगर जान देने की अनुमति मिल जाती है तो वह अपने घर, नर्सिंग होम या स्वास्थ्य केंद्र में जानलेवा दवाई या जहर ले सकेगा। फ्रांस में बीते 20 वर्षों से मौत का विकल्प चुनने का अधिकार देने की मांग की जा रही है। बीते महीने राष्ट्रपति मैक्रों ने सुझाव दिया था कि अगर यह विधेयक संसद में फंसा रहता है और इसे मंजूरी नहीं मिल पाती है तो वे फ्रांस के मतदाताओं से पूछकर एक जनमत के जरिए भी इस विधेयक को मंजूर कर सकते हैं। हालांकि विधेयक का विरोध भी हो रहा है। फ्रांस के धार्मिक नेताओं के संगठन द कॉन्फ्रेंस ऑफ रिलीजियस लीडर्स इन फ्रांस ने इस विधेयक का विरोध किया है। इस संगठन में कैथोलिक, ऑर्थोडॉक्स, प्रोटेस्टेंट, यहूदी, मुस्लिम और बौद्ध समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हैं। संगठन का दावा है कि इस विधेयक के बाद बुजुर्गों, बीमार और अक्षम लोगों पर भी दबाव बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि फ्रांस की तरह ही ब्रिटेन में भी ऐसे ही विधेयक पर चर्चा चल रही है।

स्पेसएक्स की स्टारशिप रॉकेट लॉन्चिंग लगातार तीसरी बार फेल

नियंत्रण से बाहर होकर टुकड़ों में बंटा यान

नई दिल्ली, एजेंसी।

पिछली लगातार दो असफल कोशिशों के बाद स्पेसएक्स ने मंगलवार की शाम अपने मेगा रॉकेट स्टारशिप को फिर से प्रक्षेपित किया। हालांकि, अंतरिक्ष यान इस बार भी यह मुख्य उद्देश्यों से चूक गया, और नियंत्रण से बाहर होकर कई हिस्सों में टूट गया। 123 मीटर लंबे रॉकेट ने टेक्सास के दक्षिणी सिरे पर स्थित स्पेसएक्स के लॉन्च साइट स्टारबेस से अपने नौवें डेमो के लिए उड़ान भरी थी। सीईओ एलन मस्क की स्पेसएक्स ने इस उड़ान के बाद कई और उपग्रहों को छोड़ने की तैयारी की थी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष में घूमते हुए हिंद महासागर महासागर में अनियंत्रित लैंडिंग की ओर बढ़ गया। स्पेसएक्स ने बाद में पुष्टि की कि अंतरिक्ष यान अनिर्धारित तीव्र गति सेफटकर टुकड़े-टुकड़े हो गया। कंपनी ने एक ऑनलाइन बयान में कहा, टीमें डेटा की समीक्षा करना और हमारे अगले उड़ान परीक्षण की दिशा में काम करना जारी रखेंगी।÷ मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस परीक्षण के दौरान पिछले दो डेमो की तुलना में ÷बड़ा सुधार÷ दिखा। पिछले परीक्षण में यान अटलांटिक के ऊपर जलते हुए मलबे में बदल गया था। कंपनी ने बताया कि स्टारशिप के लगातार तीसरे असफल प्रक्षेपण के बावजूद मस्क ने वादा किया वे आगे जल्दी प्रक्षेपण करेंगे। अगली तीन उड़ानों की बात करें तो हर तीन से चार सप्ताह में एक स्टारशिप उड़ान भरेगी। यह पहली बार था जब मस्क के स्टारशिप में से एक - जिसका उद्देश्य चंद्रमा और मंगल की यात्रा करना था- ने एक रिसाइकल किए गए बूस्टर के साथ उड़ान भरी। लॉन्च पैड पर विशाल चॉपस्टिक के साथ बूस्टर को पकड़ने की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। एक समय बूस्टर से संपर्क टूट गया, और यह टुकड़ों में मैक्सिको की खाड़ी में जा गिरा।

आपरेशन सिंदूर ने मचाई ऐसी तबाही, पाक वायुसेना को हुआ भारी नुकसान

पाकिस्तान को उबरने में लगेंगे पांच साल

नई दिल्ली, एजेंसी।

एएनआई ने उन सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट दी जो ऑपरेशन के दौरान निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा थे। रक्षा एवं सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने एएनआई को बताया कि चार दिनों तक चले संघर्ष में भारतीय वायुसेना ने अत्यंत प्रभावी तरीके से कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप जमीन और हवा दोनों पर पाकिस्तानी वायुसेना का बड़ा विनाश हुआ।

भारतीय वायु सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी वायु सेना की सैन्य संपत्तियों को नष्ट कर दिया, क्योंकि इसमें क्रूज मिसाइलों, लंबी दूरी के स्टैंडऑफ हथियारों और विभिन्न प्रकार के घूमने वाले हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। भारतीय वायु सेना के हमले ने चार दिनों में पाकिस्तानी वायु सेना को अंधा, सुन्न और निर्णय लेने में असमर्थ बना दिया, जिसके कारण उसे भारत के साथ युद्ध विराम की मांग करनी पड़ी, एएनआई ने उन सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट दी जो ऑपरेशन के दौरान निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा थे। रक्षा एवं सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने एएनआई को बताया कि चार दिनों तक चले संघर्ष में भारतीय वायुसेना ने अत्यंत प्रभावी तरीके से कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप जमीन और हवा दोनों पर पाकिस्तानी वायुसेना का बड़ा विनाश हुआ।

दोनों पक्षों के बीच प्रमुख कार्रवाई 9-10 मई की मध्य रात्रि को हुई और 10 मई की दोपहर तक जारी रही, जिसमें भारत द्वारा पाकिस्तान के कोने-कोने में स्थित वायुसैनिक ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिससे यह कड़ा संदेश गया कि हम (भारत) अंदर तक जा सकते हैं, हम दूर तक जा सकते हैं, और आप (पाकिस्तान) इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। भारत द्वारा 6-7 मई की रात को पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमला करने के बाद, जिसमें पाकिस्तानी पंजाब के बहावलपुर और मुरीदके में आतंकवादी अड्डे भी शामिल थे, पाकिस्तानी पक्ष ने जवाबी कार्रवाई करते हुए भारत में सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागीं, जो मजबूत बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली के कारण कोई निशान नहीं छोड़ सकीं।भारतीय वायुसेना ने यह निर्णय लिया कि जवाबी कार्रवाई में वह सबसे पहले पाकिस्तानी सेना के वायु रक्षा नेटवर्क से निपटेगी, जो भारत से लगी पूरी सीमा पर तैनात है, जिसमें पुराने अमेरिकी और चीनी रडार और चीनी मूल की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें शामिल हैं, जिनमें एचक्यू-09एस भी शामिल हैं, जिनकी अधिकतम रेंज 250 किलोमीटर से अधिक है। सूत्रों ने एएनआई को बताया कि भारतीय वायुसेना ने वायु रक्षा रडार से निपटने के लिए कई तरीके अपनाए, जिसमें पाकिस्तानी पंजाब क्षेत्र में स्थित रडार स्टेशनों को निशाना बनाया गया और उनमें से 4-5 को हारोप और हार्पी के हथियारों से नष्ट कर दिया गया।

भारतीय हथियारों द्वारा नष्ट किए गए लक्ष्यों में चीनी वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली का लॉन्चर स्थल भी शामिल है। लाहौर सहित वायु रक्षा नेटवर्क को निशाना बनाए जाने से 7 से 8 मई के बाद से भारतीय गतिविधियों पर नज़र रखने की पाकिस्तानी वायुसेना की क्षमता में बड़ी कमी आई।

बीपी की समस्या पर काबू पाने के लिए इन चीजों का करें सेवन

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या एक ऐसी समस्या है जो स्वास्थ्य पर सीधा असर डालती है। अगर समय रहते इसे कंट्रोल नहीं किया गया तो शरीर को इसका भारी नुकसान चुकाना पड़ सकता है। कई लोग हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए दवाइयों का सेवन करते हैं। लेकिन इस समस्या से नेचुरली छुटकारा पाने के लिए अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव करना जरूरी है। आइए जानते हैं कि किन चीजों का सेवन करने से आप घर पर ही हाई बीपी को कंट्रोल कर सकते हैं।

पिएं नारियल पानी

नारियल का पानी शरीर को भरपूर पानी देता है। पानी की कमी न हो इसके लिए आपको रोज एक नारियल पानी पीना चाहिए। कोकोनट वॉटर हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। नारियल का पानी पीने से आपके शरीर को पोटैशियम और मैग्नीशियम मिलता है जो हाई बीपी को कंट्रोल करने और तनाव को कम करने में कारगर साबित हो सकता है।

डेली डाइट में ऐसे करें शामिल

रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास ताजा नारियल का पानी पीना चाहिए

एक दिन में दो नारियल पानी का सेवन कर सकते हैं

हाई बीपी वाले पेशेंट नारियल पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं

फायदेमंद साबित हो सकते हैं कद्दू के बीज

सब्जियां शरीर के लिए काफी पौष्टिक होती हैं। लेकिन कुछ सब्जियों के बीज भी शरीर को फायदा पहुंचाते हैं। कद्दू के बीज खाने में जितने स्वादिष्ट होते हैं, उससे कहीं ज्यादा बीपी को नियंत्रित करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। कद्दू के बीज में मैग्नीशियम, पोटैशियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड, एंटीऑक्सीडेंट गुण और एल-आर्जिनिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो बीपी को कंट्रोल करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

कैसे खाने से शरीर को मिलेंगे फायदे?

हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए आप रोज 1-2 मुट्ठी (लगभग 30 ग्राम) भुने हुए कद्दू के बीज का सेवन करें

सलाद में कद्दू के बीज डालकर खा सकते हैं

दही या फलों के स्मूदी में मिलाकर खा सकते हैं

गुड़हल की चाय पीना फायदेमंद

गुड़हल की चाय को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से भी रक्तचाप को कंट्रोल किया जा सकता है। गुड़हल की चाय न केवल बीपी को कंट्रोल करने में बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ को मजबूत बनाने में भी कारगर साबित हो सकती है।

ऐसे करें डाइट में शामिल

2 चम्मच सूखे गुड़हल के फूलों को 1 कप पानी में शहद या गुड़ के साथ मिलाकर उबाल लें

रोज सुबह पीना शुरू कर दें

कुछ ही दिनों में फायदे दिखने शुरू हो जाएंगे

आपको ये ध्यान में रखना होगा कि नारियल पानी, गुड़हल की चाय और कद्दू के बीज के सेवन के साथ-साथ नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, हेल्दी लाइफस्टाइल और कम नमक का सेवन करने से हाई बीपी को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

फायदा ही नहीं नुकसान भी पहुंचा सकती है छाछ

किन लोगों को मट्ठा पीने से परहेज करना चाहिए?

गर्मियों के मौसम में लोगों को छाछ पीना काफी पसंद होता है। छाछ शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाने का काम करती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छाछ आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकती है? कुछ लोगों को छाछ को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाने से बचना चाहिए वरना उनकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आइए छाछ पीने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में जानते हैं।

गले से जुड़ी समस्या

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक अगर आप सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी गले से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो आपको छाछ का सेवन करने से बचना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि छाछ की तासीर ठंडी होती है। यही वजह है कि खांसी-जुकाम में छाछ पीने की वजह से आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है।

एक्जिमा का शिकार लोग

अगर आपको एक्जिमा है, तो आपको छाछ को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए। छाछ में मौजूद कुछ तत्व आपकी त्वचा की सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। एक्जिमा का शिकार लोगों को मट्ठा पीने से त्वचा पर जलन, खुजली या फिर लालपन जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है।

लैक्टोज इनटॉलेरेंट

क्या आप लैक्टोज इनटॉलेरेंट हैं? अगर हां, तो आपको छाछ नहीं पीनी चाहिए वरना आपकी तबीयत खराब हो सकती है। लैक्टोज इनटॉलेरेंस की समस्या से जूझ रहे लोगों को छाछ या फिर दूध से बनी चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। इस तरह के लोग दूध को सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं कर पाते जिसकी वजह से उनकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

अगर आप भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो आपको छाछ पीने से बचना चाहिए वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

सिल्की और शाइनी बालों के लिए घर पर बनाएं बनाना हेयर पैक, जानें इसके फायदे

हमारे पास समय नहीं रहता है कि हम अपने बालों की केयर कर सकें। ऐसी स्थिति में महीने में 1 बार पार्लर जाकर हम हेयर स्पा ले लेते हैं। जिससे कुछ समय के लिए बाल अच्छे हो जाते हैं। लेकिन अगर आप चाहें तो कुछ घरेलू नुस्खे आजमाकर अपने बालों को सिल्की और शाइनी बना सकते हैं।

सिल्की, शाइनी और मजबूत बाल हम सभी की चाहत होती है। लेकिन जरूरी नहीं हर बार बाल सिल्की और शाइनी रहें। क्योंकि अधिकतर लोगों का बाहर आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में बाहर की तेज धूप और प्रदूषण हमारे बालों को खराब कर देती है। हालांकि साथ ही हमारे पास समय नहीं रहता है कि हम अपने बालों की केयर कर सकें। ऐसी स्थिति में महीने में 1 बार पार्लर जाकर हम हेयर स्पा ले लेते हैं। जिससे कुछ समय के लिए बाल अच्छे हो जाते हैं। लेकिन अगर आप चाहें तो कुछ घरेलू नुस्खे आजमाकर अपने बालों को सिल्की और शाइनी बना सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हेयर पैक के बारे में बताने जा रहे हैं।

केला-शहद हेयर पैक

बालों को स्मूद और शाइनी बनाने के लिए केले और शहद के हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपके बाल शाइनी और सिल्की हो जाएंगे। साथ ही इस हेयर पैक को बनाना भी काफी आसान है।

ऐसे लगाएं हेयर पैक

सबसे पहले एक कटोरी में पका हुआ केला लेना है।

अब केले को मैश करके इसमें 2 चम्मच शहद मिक्स करें।

इन दोनों को हाथ या फिर ब्रश की मदद से बालों में अप्लाई करें।

इसको करीब 10 या 20 मिनट तक बालों में लगा रहने दें।

साथ ही हल्के हाथों से मसाज करें।

वहीं इस हेयर पैक से आपके बाल सिल्की और शाइनी नजर आएंगे।

केले और दही का हेयर पैक

बता दें कि आप केले और दही का इस्तेमाल करके हेयर पैक बना सकते हैं। दरअसल, दही में लैक्टिक एसिड ज्यादा पाया जाता और केले में कैल्शियम अधिक होता है। यह दोनों ही चीजें बालों के लिए अच्छी होती हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले एक कटोरी में केले को मैश करें। फिर इसमें एक चम्मच दही मिलाएं।

अब दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद इस पेस्ट को अपने बालों में अप्लाई करें और हल्की मसाज करें।

फिर करीब 30 मिनट बाद बालों को शैंपू से धो लें।

इससे आपके बाल सिल्की और शाइनी हो जाएंगे।

बालों को सिल्की और शाइनी बनाने के लिए हेयर पैक का इस्तेमाल करना चाहिए। इसको लगाने से बालों की ग्रोथ होने लगेगी और यदि किसी तरह की समस्या है, तो आपको एक्सपर्ट की राय लेनी चाहिए।

घर पर बनाएं कैफे जैसी होममेड आइस्क्रीम, फैमिली के साथ उठाएं इसका लुत्फ

अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी।

गर्मियों में आइस्क्रीम खाना भला किसे नहीं पसंद होता है। गर्मी में खुद को फ्रेश रखने के लिए ठंडी, क्रीमी और स्वादिष्ट चीज खाने के क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में हम कुछ न कुछ अपनी डाइट में ऐसा शामिल करते हैं, जिसका स्वाद लेना किसी जादू से कम नहीं होता है। लेकिन रोजाना आर्टिफिशियल फ्लेवर लेना हमारे लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसे में आप अपने घर पर कुछ नया और अच्छा बना सकते हैं।

बता दें कि अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होममेड आइस्क्रीम की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

कॉफी पाउडर- 1 पैकेट या 2 चम्मच

चीनी- आधा कप पानी- आधा कप

दूध- 1 कप क्रीम- आधा कप

चॉकलेट चिप- आधा कप

वैनिला एसेंस- आधा कपहोममेड आइसक्रीम

सबसे पहले ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को तैयार रखें। अब एक बाउल में गुनगुने पानी में कॉफी पाउडर और चीनी डालकर अच्छे से घोल लें।

फिर इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाएं। वहीं दूसरे बाउल में क्रीम, दूध और बाकी का सामान डालकर अच्छे से मिलाएं। आप चाहें तो इसमें वैनिला एसेंस भी मिला सकते हैं। इसके बाद एक चम्मच की सहायता से सभी चीजों को मिलाएं और फिर दोनों को एक साथ मिक्स कर दें। अब तैयार हुए मिश्रण को एक एयरटाइट कंटेनर में डालें और ढक्कन लगाकर करीब 6-8 घंटे या फिर पूरी रात फ्रीजर में जमने के लिए रख दें।

वहीं अगर आपको ज्यादा क्रीमी टेक्सचर चाहिए, तो आपको 2-3 घंटे बाद फ्रीजर से मिक्सचर को निकालकर फिर से फेंटें और दोबारा फ्रीज करें।

जब आइस्क्रीम अच्छे से जम जाए तो स्कूप निकालें और फिर ऊपर से थोड़ा सा इंस्टेंट कॉफी पाउडर या चॉकलेट चिप्स डालकर सर्व करें।

आईपीएल के पहले क्वालीफायर में जीत के साथ

फाइनल में जगह बनाने उतरेंगी आरसीबी और पंजाब किंग्स

शाम 7.30 बजे शुरु होगा मुकाबला

मुलांपुर। आईपीएल के पहले क्वालीफायर में गुरुवार को पंजाब किंग्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। ये दोनो ही टीमें अंक तालिका में शीर्ष दो में रहीं हैं। ऐसे में इनके पास इस मैच के बाद भी खिताबी मुकाबले में जगह बनाने के लिए अवसर है। इसको देखते हुए दोनो ही टीमें निडर होकर मुकाबले में उतरेंगी। दोनो ही टीमों के 19-19 अंक हैं पर रन रेट बेहतर होने के कारण पंजाब पहले जबकि आरसीबी दूसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमों ने इस सत्र की शुरुआत से ही काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में दोनो ही जीत की प्रबल दावेदार हैं। पंजाब किंग्स की टीम करीब एक दशके बाद प्लेऑफ में पहुंची है। इससे पहले वह साल 2014 में प्लेऑफ में पहुंची थी। ऐसे में उसका लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना रहेगा। उसके कप्तान श्रेय अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग काफी अनुभवी हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। वहीं दूसरी ओर आरसीब की टीम कर्बार नॉकआउट चरण हारी है, इसलिए उसका लक्ष्य इस बार खिताब के सूखे को समाप्त करना रहेगा। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभीव खिलाड़ी है जिसका लाभ उसे मिलेगा। अंतिम लीग मैच में उसने लखनऊ सुपरजायंस के खिलाफ मैच में 228 रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी है। वहीं श्रेयस अपना लगातार दूसरा खिताब जीतना चाहेंगे। पिछले सत्र में उन्होंने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को फाइनल में जीत दिलायी थी। इस बार नये कोच रिकी पोंटिंग के साथ मिलकर श्रेयस ने पंजाब टीम को बदलकर रख दिया है। टीम ने लीग चरण में शुरू से लेकर आखिर तक अच्छा प्रदर्शन किया है। कोच और कप्तान खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेने में सफल रहे। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने अय्यर और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ियों के लिए रन बनाना आसान कर दिया है। वहीं फिनिशर शशांक सिंह भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभा रहे हैं। मार्कस स्टोइनिस ने भी बल्लेबाजी में अच्छा योगदान दिया है। पंजाब की कमजोरी केवल गेंदबाजी विभाग है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन की स्वदेश वापसी के बाद टीम का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है।

वैभव के शॉट खेलने की टाइमिंग जबरदस्त

वैभव को अपने पैर जमीन पर रखने होंगे : स्टीव वॉ

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने कहा है कि 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भविष्य के सितारे हैं पर उन्हें अपने पैर जमीन में रखते हुए आत्ममुग्धता से बचना होगा। वॉ ने कहा कि वैभव के शॉट खेलने की टाइमिंग जबरदस्त है पर उन्हें अपने पर नियंत्रण बनाये रखना होगा। वॉ ने कहा कि कि वह लगातार आईपीएल नहीं देखते हैं पर उन्होंने वैभव के मैच देखे हैं जिसके आधार पर वह एक शानदार खिलाड़ नजर आता है। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले वैभव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया था। टूर्नामेंट में किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज शतक है। वॉ ने कहा, '14 साल की उम्र में उस पर कोई दबाव नहीं है। वह पूरी आजादी के साथ खेल रहा है जिसे देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि उसके सामने चुनौती केवल नियंत्रण बनाए रखने की होगी। वॉ के अनुसार एक करोड़ से अधिक का आईपीएल करार हासिल करने वाला ये खिलाड़ी 16 वर्ष की उम्र के पहले ही करोड़पति बन जाएगा। ऐसे में उस पर अपेक्षाओं का काफी दबाव होगा। उन्होंने कहा, 'क्या वह इसी उत्साह से खेल सकेगा, इसी आजादी से बल्लेबाजी करेगा ? यह सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'उसके पास कौशल है और वह मानसिक रूप से मजबूत है। आप चाहते हैं कि उसके जैसा बल्लेबाज सफल हो। क्रिकेट के लिए यह शानदार कहानी है। मैं आईपीएल ज्यादा नहीं देखता पर इस तरह का कोई खिलाड़ी आता है तो देखने का मन करता है। उन्होंने कहा कि भारत में हर नए सितारे की तुलना सचिन तेंदुलकर से की जाती है लेकिन इसकी किसी की भी तुलना उनसे नहीं होनी चाहिये क्योंकि तेंदुलकर जैसी प्रतिभा बार बार नहीं आती।

आईपीएल फाइनल आरसीबी और पंजाब में होगा : उथप्पा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने आईपीएल प्लेऑफ से पहले कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम फाइनल में जगह बनाये। उथप्पा के अनुसार फाइनल मुकाबला आरसीबी और पंजाब में होगा। उन्होंने कहा कि आरसीबी के लिए ये मैच जीता आसान नहीं होगा क्योंकि उसकी मैच को फिनिश करने की क्षमत कमजोर है। उथप्पा ने कहा, मैंने शुरू से ही कहा है, मेरा मानना ??है कि खिताबी मुकाबला पंजाब और आरसीबी के बीच होने वाला है। उनके पास गति है और उन्होंने अच्छी गेंदबाजी शुरू कर दी है पर उन्हें प्रभावी तरीके से मैच समापत करने की जरूरत है और विराट कोहली को लक्ष्य का पीछा करने की अपनपी भूमिका निभानी होगी। उन्हें 20 ओवर तक बल्लेबाजी करनी होगी तभी विरोधी टीम पर दबाव बनाया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से भी आरसीबी को लाभ होगा पर उनके अन्य गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। मुझे खुशी है कि हेजलवुड वापस आ गए हैं, जिससे अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भी सहायता मिलेगी। अब तक यश दयाल ने डेथ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम के पास क्रुणाल पांड्या जैस अच्छा स्पिनर भी है। कुल मिलकार टीम संतुलित है। आरसीबी ने इस बार लीग की शुरुआत से ही जीत का सिलसिला बनाये रखा है।

धोनी के साये में विकसित नहीं हो पा रहे सीएसके के नये कप्तान : बांगर

रुतुराज और जडेजा धोनी के साए में हुए अपनी सोच विकसित नहीं कर पाये

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने आरोप लगाया है कि कि महेन्द्र सिंह धोनी के कारण चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में कोई नया नेतृत्व नहीं उभर रहा है। बांगर के अनुसार धोनी के साये में पहले रविंद्र जडेजा धोनी और उसके बाद रुतुराज गायकवाड़ कप्तान के तौर पर विकसित नहीं हो पाए।

बांगर ने कहा है कि धोनी की मौजूदगी से अन्य खिलाड़ियों में स्वाभाविक नेतृत्व क्षमता विकसित इसलिए नहीं हो पा रही है क्योंकि अन्य खिलाड़ी धोनी की नकल करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि रुतुराज और जडेजा धोनी के साए में हुए अपनी सोच विकसित नहीं कर पाये। ये दोनो ही धोनी की मानसिकता की नकल करते करने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहे। बांगर की ये बात काफी हद तक सही भी नजर आत है जब भी सीएसके प्रबंधन ने अपनी टीम में नए नेतृत्वकर्ता को आगे किया है वह धोनी के भरोसे काम करने लगता है। इसी कारण सीएसके पिछले दो सत्र से असफल हो रही है।

सीएसके पहले कभी नौवें स्थान से नीचे नहीं रही, लेकिन आईपीएल 2025 में हर टीम से वह पीछे हो गयी। सीएसके के लिए एकमात्र सकारात्मक पक्ष युवा खिलाड़ियों, डेवाल्ड ब्रेविस और आयुष म्हात्रे का अच्छा प्रदर्शन रहा है।

हमारा लक्ष्य आईपीएल ट्रॉफी उठाना : शशांक

जयपुर। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने कहा है कि उनकी टीम को लक्ष्य इस बार आईपीएल खिताब जीतना है। शशांक ने कहा है कि अंक तालिका में शीर्ष दो पर आना अच्छी बात है पर अभी उनका काम पूरा नहीं हुआ है। पंजाब किंग्स ने अंतिम लीग मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में जगह बनायी है। अब उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो अवसर मिलेंगे। यह पिछले 11 साल में पहला अवसर है जबकि पंजाब किंग्स की टीम प्लेऑफ में पहुंची है। शशांक ने कहा, 'यह वास्तव में अच्छा अहसास है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें सभी ने एकजुट होकर प्रयाय किये। साथ ही कहा कि नीलामी के ठीक बाद से भी सभी ने आपस में खिताब जीतने को लेकर बात की थी। हमारा पहला लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना था और हमने इसे हासिल कर लिया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्वास और कड़ी मेहनत से ही टीम यहां तक पहुंची है। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को कहना अलग चीज है और उस पर अमल करना अलग। हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका टीम से जुड़े हर एक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी बड़ी लीग में शीर्ष दो में रहना आसान नहीं है। शशांक ने कहा, 'शीर्ष दो में जगह बनाने के बाद अब हम ट्रॉफी उठाना चाहते हैं। शशांक उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें मेगा नीलामी से पहले टीम में बनाये रखा गया था हालांकि टीम में कई बदलाव करते हुए रिकी पोंटिंग को मुख्य कोच और श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया था। उन्होंने कहा, 'पहले दिन से ही कोच और कप्तान का मुख्य आदर्श वाक्य रहा है कि हमें एक नई संस्कृति को विकसित करना है और उसे बनाए रखना है। हमें एक दूसरे पर पूरा भरोसा रखना है और फिर परिणाम खुद ही हमारे अनुसार आएंगे।

धवन ने बताया जब वह हुए थे हताश

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने कहा है कि उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का सबसे कठिन पल 2016 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में तब आया था जब न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था। धवन ने बताया कि उस समय विराट कप्तान थे और टीम से बाहर होने के कारण मैं बेहद निराश था। अगस्त 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले धवन ने सभी प्रारूपों में 288 पारियों में 10,867 रन बनाए। 2013 की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत में उनकी अहम भूमिका रही थी। धवन ने 2016 के उस टेस्ट मैच को याद करते हुए कहा कि तब चोटिल होने के कारण भी उनका प्रदर्शन खराब हुआ था। कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में, धवन पहली पारी में जल्दी आउट हो गए थे। वहीं दूसरी पारी में ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया। इसके बावजूद, उन्होंने खेलना जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि उन्हें डर था कि बाहर बैठने पर उनकी टीम में जगह चली जाएगी। वह हालांकि टूटे हाथ के साथ खेलते हुए वे केवल 15-20 रन बना सके और इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। धवन ने माना कि उस समय अपनी जगह बनाए रखने की भूल ने उनके खेल को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि मैं उस स्थान के लिए बहुत हताश था। यह एक मूल्यवान स्थान है। मैंने हताश होकर मेहनत की थी, इसलिए परिणाम नहीं मिले। आत्मनिरीक्षण के बाद, धवन को एहसास हुआ कि हताशा के साथ सफलता का पीछा करना संभव नहीं है। उन्होंने जीवन में खुशी को सबसे अहम बताया और कहा कि मैंने अपने सपने को जीया, विश्व रिकॉर्ड बनाए, और मुझे पता था कि यह दौड़ कभी नहीं रुकेगी। ईडन गार्डन्स टेस्ट से पहले, धवन ने बिना शतक के 8 टेस्ट खेले थे, जिसमें केवल एक अर्धशतक शामिल था।

बेंगलुरु को क्वालिफायर-1 में पहुंचाने के बाद बोले जितेश

विश्वास नहीं हो रहा कि ऐसी पारी खेली है

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में मंगलवार को एक बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मेजबान लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ आरसीबी की टीम ने शीर्ष दो पर रहते हुए लीग राउंड को खत्म किया और अब उसका सामना क्वालिफायर-1 में पंजाब किंग्स से होगा। आरसीबी की जीत में कार्यवाहक कप्तान जितेश शर्मा की बेखौफ पारी अहम रही, जिन्होंने 33 गेंद में नाबाद 85 रन बनाए और टीम को यादगार जीत दिलाई। मैच के बाद जितेश कहा कि उनके लिए अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुद यकीन नहीं हो रहा कि ऐसी पारी खेली है। प्लेयर ऑफ द मैच जितेश ने 33 गेंद की नाबाद पारी में आठ चौके और छह छक्के लगाए। उन्हें मयंक का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 23 गेंद पर नाबाद 41 रन की पारी में पांच चौके जड़े। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 45 गेंद में 107 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।जितेश ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, मैं विश्वास नहीं कर पा रहा हूं कि मैंने ऐसी पारी खेली है। मैं बस उस पल में रहने का प्रयास कर था, में क्रीज पर टिके रहने की कोशिश कर रहा था। मैं अभी अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां नहीं पाऊंगा। आरसीबी की पारी के 12वें ओवर में विराट कोहली (54) के आउट होने के बाद जितेश क्रीज पर आए थे। तब आरसीबी का स्कोर चार विकेट पर 123 रन था। जितेश ने मैदान पर आते ही हर गेंदबाज के खिलाफ सहजता से बड़े शॉट लगाए। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि उन पर कप्तानी का दबाव था, लेकिन टीम के अनुभवी खिलाड़ियों का पूरा साथ मिला। उन्होंने कहा, मैंने विराट भाई के आउट होने के बाद मैच को आखिर तक ले जाने का प्रयास किया और इसमें सफल रहा। मेरे ऊपर काफी दबाव था, लेकिन मैं इसका लुत्फ उठा रहा था। मैं जब विराट भाई, क्रुणाल पांड्या और भुवनेश्वर कुमार को देखता हूं, तो काफी आत्मविश्वास मिलता है। महज एक दिन के बाद होने वाले क्वालिफायर एक मुकाबले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं फिलहाल इस पल (जीत) का लुत्फ उठाने करने का प्रयास करूंगा। साथ ही चाहूंगा कि थकान से अच्छे से उबरू। मेरे गुरू दिनेश कार्तिक ने मुझे कहा था कि अगर मैं मैच को आखिर तक लेकर जाऊंगा तो मेरे में टीम को जीत दिलाने का कौशल है। जितेश का यह आईपीएल में पहला अर्धशतक भी रहा। नाबाद 85 रन आईपीएल में उनका बेस्ट स्कोर भी बन गया है। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान ऋषभ पंत की नाबाद 118 रन की पारी की मदद से तीन विकेट पर 227 रन बनाए। पंत ने अपनी पारी में 11 चौके और आठ छक्के लगाए।

पूरा देश मना रहा है देवी अहिल्याबाई का 300वां जन्म जयंती वर्ष - मुख्यमंत्री

महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में सीएम की पाठशाला में छात्राओं से किया संवाद

» मुख्यमंत्री ने सुनाई महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई की कहानी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। भारत देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में एक आदर्श प्रस्तुत किया। दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, अवरोध थे, कठिनाईयां थीं, दुश्वारियां थीं, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सारी कठिनाईयों से लड़कर और जूझकर उन्होंने अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से आत्मीय संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की छात्राओं से उनके क्लासरूम में सीएम की पाठशाला लगाई और सभी बेटियों से गुरूतुल्य व पितातुल्य संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को मध्यप्रदेश की महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं के आल्हाद में सहभागी बनकर उनके साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने अकबर की सेना के साथ लड़ाई की और अंततः खुद को न्यौछावर कर दिया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को बताया कि महारानी दुर्गावती ने जबलपुर में आधारताल, मदन महल बनाया। ऐसी जल संरचनाएं बनवाईं कि एक तालाब भरने के बाद अगला तालाब, उसके बाद उसके अगले तालाब में जल संरक्षण होता रहा। इससे प्रजा को जल संचयन की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि तकनीक के मामले में तब के शासक भी अग्रणी थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं की रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा विस्तार से बताते हुए कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि वे मध्यप्रदेश की महारानी थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के बारे में छात्राओं को बताया कि उन्होंने अपने करीब 28 साल के शासन में देश को शासन व्यवस्था की एक नई परिभाषा सिखाई। उन्होंने जगह-जगह मंदिर बनवाए, घाट बनवाए, यात्रियों के लिए सराय (विश्राम गृह), अन्न क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र बनवाए। महिला सशक्तिकरण की मिसाल कायम करते हुए देवी अहिल्याबाई ने विधवा विवाह कराए। इससे वे तत्समय विधवाओं के जीवन में एक नया सवेरा लेकर आईं। उन्होंने सबके साथ समान रूप से न्याय किया। वे एक अच्छी बेटी, अच्छी बहु, अच्छी पत्नी के साथ एक ममतामयी मां भी थीं।

नेता प्रतिपक्ष के साथ एडीजी इंटेलिजेंस से मिले कांग्रेस नेता

» पीसीसी चीफ के भाईयों पर एफआईआर के मामले में जांच की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने तेजाजी नगर, इंदौर थाने में दर्ज एफआईआर को लेकर एडीजी इंटेलिजेंस जयदीप प्रसाद को ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस का आरोप है कि 26 मई को दर्ज एफआईआर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई भरत पटवारी और नाना पटवारी का नाम दुर्भावनापूर्वक शामिल किया गया है, जबकि उनका उस प्रकरण से कोई लेना-देना नहीं है।

कांग्रेस ने कहा है कि यह मामला अखिल भारतीय यादव समाज पब्लिक ट्रस्ट की भूमि को लेकर है। जिस पर फरियादी नरेन्द्र मेहता और ट्रस्ट के बीच पहले से विवाद चल रहा है। ट्रस्ट के ट्रस्टियों में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई नारायण यादव, भाजपा के वरिष्ठ नेता राधेश्याम यादव, तथा आरएसएस से जुड़े प्रमुख व्यक्ति राकेश यादव शामिल हैं। ट्रस्ट में कांग्रेस से जुड़े केवल दो सदस्य सदाशिव यादव और पुरुषोत्तम यादव हैं।

सिविल मामला बताकर एफआईआर पर उठाए सवाल- कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह मामला मूलतः ट्रस्ट संपत्ति का है और सिविल प्रक्रिया के तहत न्यायालय में हल होना चाहिए था, लेकिन सत्ता का दुरुपयोग कर इसे आपराधिक रंग देने की कोशिश की गई है। एफआईआर में 25 मार्च की घटना का उल्लेख है, जबकि उसे दर्ज 26 मई को किया गया यानि दो महीने बाद। कांग्रेस का कहना है कि यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक दुर्भावना का मामला है। पत्र में मांग की गई है कि अखिल भारतीय यादव समाज पब्लिक ट्रस्ट से जुड़ी भूमि विवाद की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिन निर्दोष लोगों भरत पटवारी, नाना पटवारी एवं कांग्रेस नेता सदाशिव यादव के नाम बिना कारण एफआईआर में जोड़े गए हैं, उन्हें तत्काल हटाया जाए। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधायक आरिफ मसूद, पूर्व मंत्री मुकेश नायक, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव, महामंत्री गौरव रघुवंशी और चुनाव आयोग प्रभारी जे.पी. धनुपिया शामिल रहें।

एम्स में चल रहा हार्ट और किडनी ट्रांसप्लांट
शंकर ने जाते-जाते रोशन की 3 जिंदगियां

भोपाल एम्स में पहली बार ब्रेनडेड मरीज का अंगदान

भोपाल। भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने बुधवार को अपना पहला कैडेवर ऑर्गन डोनेशन सफलतापूर्वक किया। एम्स भोपाल प्रदेश का ऐसा पहला सरकारी अस्पताल बन गया है, जहां किसी ब्रेन डेड मरीज के अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन हार्वेस्ट) के लिए निकाले गए। औबेदुल्लागंज के 60 वर्षीय शंकर लाल कुबरे ने मौत के बाद तीन लोगों की जिंदगी को रोशन कर दिया। एम्स में किडनी व हार्ट ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर में चली है। दो ट्रांसप्लांट के लिए तीन आपरेशन थिएटर का इस्तेमाल किया गया। आर्टिफिशियल लंग एंड हार्ट मशीन भी ओटी में लगा दी गई है। मरीज की स्थिति को देखते हुए आर्टिफिशियल हार्ट लंग मशीन को ओटी में तैयार रखा गया था। जिससे खून ज्यादा बहने पर मरीज के अंगों को बचाया जा सके। एम्स भोपाल में पिछले एक साल से कैडेवर डोनेशन (ब्रेन डेड व्यक्ति के अंगदान) के प्रयास चल रहे थे। इसके लिए एक टीम भी बनाई गई है, जो ब्रेन डेड हुए हर मरीज के परिजनों को अंगदान के लिए प्रेरित करती है। इस टीम ने बीते एक साल में 31 ब्रेन डेड मरीजों के परिवारों से ऑर्गन डोनेट करने लिए बात की थी। सभी ने मना कर दिया था। यह 32वां प्रयास था। औबेदुल्लागंज के रहने वाले 60 वर्षीय शंकर लाल कुबरे 24 मई को एक सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। गंभीर हालत में उन्हें बेहतर इलाज के लिए एम्स भोपाल लाया गया, लेकिन सोमवार देर रात उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। एम्स के एक डॉक्टर ने बताया कि कुबरे परिवार ने अंगदान की बात जिस तरह से सुनी और समझी, वह दूसरों के लिए एक मिसाल है। उन्होंने बताया कि कई बार परिजन अंगदान की बात सुनते ही आक्रोशित हो जाते हैं, लेकिन शंकर कुबरे के दोनों बेटों, बेटी और उनकी पत्नी ने इंसानियत को सबसे ऊपर रखा। उनकी पत्नी ने भावुक होकर कहा, यदि मेरे पति जाते-जाते किसी की जिंदगी बचा रहे हैं, तो यह हमारे लिए गर्व की बात है।

'कान्स अन सर्टेन रिगार्ड' सेक्शन में चुनी जाने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म बनी होमबाउंड

मप्र में बनी 'होमबाउंड' ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में मचाई धूम

» रचनात्मक कल्पनाओं को साकार करने के लिए मध्य प्रदेश ईज ऑफ शूटिंग डेस्टिनेशन : प्रमुख सचिव शुक्ला

» भोपाल और आस पास के क्षेत्रों में हुई है पूरी शूटिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश, एक बार फिर विश्व सिनेमा के पटल पर छाया हुआ है। 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में मध्यप्रदेश में शूट हुई और श्री नीरज घेवान द्वारा निर्देशित फीचर फिल्म होमबाउंड को सराहना मिली है। फिल्म का कान्स अन सर्टेन रिगार्ड सेक्शन में प्रीमियर शो कान्स फिल्म फेस्टिवल के दौरान किया गया। यह एकमात्र भारतीय फिल्म है, जो इस प्रतिष्ठित सेक्शन में चुनी गई है। कान्स फिल्म फेस्टिवल में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं, निर्देशकों के साथ-साथ कलाकारों और दर्शकों द्वारा फिल्म की प्रशंसा करते हुए 9 मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाते हुए सम्मान किया गया। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त, ऑस्कर विजेता, अमेरिकन फिल्म मेकर डायरेक्टर मार्टिन स्कॉर्सेस के इस फिल्म से जुड़ने से इसकी अंतर्राष्ट्रीय साख मजबूत हुई है यह उपलब्धि न केवल राज्य की सृजनात्मक संभावनाओं को दर्शाती है, बल्कि इसे वैश्विक फिल्म निर्माण के लिए एक पसंदीदा लोकेशन के रूप में स्थापित करती है। वर्ष 2024 में फिल्म 'होमबाउंड' का बड़ा हिस्सा मध्यप्रदेश के भोपाल और आसपास के क्षेत्र में प्राकृतिक, सांस्कृतिक और शहरी परिवेश में शूट किया गया है। फिल्म की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा राज्य की फिल्म अनुकूल नीतियों और फिल्म की कहानी के अनुसार उपयुक्त लोकेशनों की सफलता का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि होमबाउंड फिल्म धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी है। मध्यप्रदेश में शूट होने वाली यह उनकी पांचवीं फिल्म है। फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं। निर्देशक नीरज घेवान हैं, इससे पहले उनके निर्देशन में बनी मसान फिल्म को भी दर्शकों ने खूब सराहा था। होमबाउंड में कलाकार ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। कान्स फिल्म फेस्टिवल में सराहना मिलने पर पूरी टीम काफी खुश है। होमबाउंड टीम ने मध्यप्रदेश में सुगम शूटिंग अनुभव के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। विभिन्न प्रकार के लोकेशनों की आसान उपलब्धता से लेकर स्थानीय समुदायों के सहयोग तक, फिल्म निर्माताओं ने प्रदेश को एक आदर्श शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में सराहा। कई सदस्यों ने भविष्य की परियोजनाओं के लिए यहां दोबारा लौटने की प्रबल इच्छा जताई है।

मंदिर जा रहे बुजुर्ग की एक्सीडेंट में मौत, पत्नी भी सवार थीं स्कूटी पर

भोपाल। भोपाल में स्कूटी सवार बुजुर्ग दंपती को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में भेल के रिटार्यड एडिशनल सब इंजीनियर पवन चौरसिया की मौत हो गई। घटना बिड़ला मंदिर पार्किंग के पास की है। मामले में अरेरा हिल्स थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बुधवार की दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक पवन चौरसिया (63) अशोक बिहार कॉलोनी अशोका गार्डन में रहते थे और भेल के रिटायर्ड एडिशन सब इंजीनियर थे। ढाई साल पहले उनका रिटायरमेंट हुआ था। उनकी कोई संतान नहीं थी, पत्नी के साथ रहते थे। 23 मई 2025 को पत्नी गोमती के साथ बिड़ला मंदिर दर्शन करने के लिए गए थे। वाहन को पार्किंग की तरफ ले जा रहे थे। तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। पांच दिन चले इलाज के बाद आज सुबह उनकी मौत हो गई। हालांकि पत्नी को हादसे में मामूली चोटें थीं। प्रारंभिक इलाज के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करा दिया था।

स्वच्छता की कार्य-योजना 10 वर्षों को देखकर तैयार करें

» नगरीय निकाय कार्य क्षमता वृद्धि के लिये रणनीति बनायें

भोपाल। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों को स्वच्छ बनाये रखने के लिये मिलकर कार्य करने की जरूरत है। स्वच्छता के मामले में मध्यप्रदेश की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। इस पहचान को बरकरार रखना नगरीय निकायों के लिये चुनौतीपूर्ण है। इसके लिये नगरीय निकायों को आगामी 10 वर्ष के लिये स्वच्छता की कार्य-योजना तैयार करनी होगी। इसी के साथ नगरीय निकायों को क्षमतावर्धन के लिये रणनीति भी तैयार करनी होगी। यह विचार आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत एस. भोंडवे की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में व्यक्त किये गये। कार्यशाला का उद्देश्य राज्य स्तर पर चयनित स्वच्छता नॉलेज पार्टनर्स से सीधा संवाद करना था। कार्यशाला में 45 नगरीय निकायों के अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में केपेसिटी बिल्डिंग नीड असिस्मेंट (सीबीएनए) के माध्यम से क्षमतावर्धन आवश्यकताओं को चिन्हित करने पर जोर दिया गया। कार्यशाला भोपाल के भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में आयोजित की गयी। कार्यशाला में नगरीय निकायों की स्थितियाँ, प्राथमिकताएँ, निकायों और राज्य की अपेक्षाओं जैसे विषयों पर चर्चा की गयी। कार्यशाला में राष्ट्रीय स्तर की 4 स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

कैनोइंग एशियन चैंपियनशिप में ब्रांज और नेशनल चैंपियनशिप में जीते हैं 50 से अधिक मेडल

» सीहोर जिले की बेटी कावेरी ने किया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और मध्यप्रदेश का नाम रोशन

अब इंडियन नेवी में ऑफिसर बन देश की सेवा कर रही है कावेरी

भोपाल। जीवन में कुछ करने का जज्बा हो और मन में दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो विपरीत परिस्थितियां भी आगे बढ़ने और मंजिल तक पहुंचने से नहीं रोक पाती। सीहोर जिले की भैरूंदा तहसील के एक छोटे से गांव मंडी की बेटी कावेरी ढ़ीमर एक ऐसी सफल बेटी है जिसने कठिन परिस्थितियों में हार नहीं मानी और खेल के क्षेत्र में न केवल अपना बल्कि प्रदेश और देश का नाम पूरी विश्व में रोशन किया है।

बेटी कावेरी ने अपनी मेहनत और कठिन संघर्ष से अपना नाम खेल के क्षेत्र में सुनहरे अक्षरों में अंकित करा दिया है। इतने कठिन संघर्ष और सफलता की कहानी शायद ही कभी किसी ने सुनी होगी। बेटी कावेरी ने कैनोइंग गेम्स में नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर 50 से ज्यादा मेडल जीते और देश का नाम रोशन किया। कावेरी ने एशियन चैंपियनशिप में ब्रांज मेडल जीता है, इसके साथ ही नेशनल चैंपियनशिप में 45 गोल्ड, 6 सिल्वर और 3 ब्रांज मेडल अपने नाम किए हैं। मध्यप्रदेश की बेटी कावेरी जो कभी अपने पिता का कर्ज चुकाने के लिए नर्मदा में मछली पकड़ा करती

थी, आज वही बेटी इंडियन नेवी में ऑफिसर है। वर्तमान में कावेरी इंडियन नेवी में एजीपीओ (पीटी) ऑफिसर के पद पर कार्य कर देश की सेवा कर रही हैं। कावेरी के परिवार में 11 सदस्य है, जिसमें माता-पिता सहित 7 बहनें एवं 2 भाई शामिल हैं। कावेरी के पिता नर्मदा में मछली पकड़कर अपने परिवार का पालन पोषण करते थे। कमजोर आर्थिक स्थिती और आमदनी कम होने के कारण जब परिवार का गुजारा कठिन हुआ तो पिता ने कर्ज ले लिया। इस कर्ज को चुकाने में बेटी कावेरी अपने पिता का सहारा बनी। पानी में नाव चलाते हुए कावेरी को जब एक स्पोर्ट्स ऑफिसर ने देखा तो उन्होंने कावेरी को कैनोइंग गेम्स में ट्रेनिंग के लिए प्रेरित किया। स्पोर्ट्स ऑफिसर ने कावेरी को ट्रेनिंग के लिए वाटर स्पोर्ट अकादमी भोपाल पहुँचा दिया। इसके बाद कावेरी ने अपने इस हुनर को अपना जुनून बना लिया। कावेरी ने एक के बाद एक कैनोइंग गेम्स में नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर 50 से ज्यादा मेडल जीते और देश का नाम रोशन किया।

बेटी कावेरी का पिछले साल स्पोर्ट्स कोटे में इंडियन नेवी में सिलेक्शन हो गया। अपनी बेटी की इस सफलता को लेकर कावेरी के माता-पिता बहुत खुश है।

नमो ड्रोन दीदी योजना ने ग्रामीण महिलाओं को बनाया स्वावलंबी

भोपाल। नमो ड्रोन दीदी योजना ने ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को एक नई उड़ान दे दी है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को तकनीक और सरकारी सहयोग से आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। इस योजना से महिलाओं के जीवन में वास्तविक परिवर्तन आ रहा है। आगर-मालवा जिले के ग्राम थड़ौदा की रीना चंदेल की जिंदगी को योजना से एक नई दिशा मिली है। रीना बताती हैं कि वे अब किसानों के खेतों में नैनो यूरिया और नैनो पेस्टिसाइड का ड्रोन से छिड़काव करती हैं। इसके बदले उन्हें प्रति हेक्टेयर की दर से भुगतान प्राप्त होता है। केवल एक कृषि सीजन में वे 40,000 रूपये से अधिक की आमदनी कर लेती हैं और सालभर में यह आय 1 लाख रूपये तक पहुंच जाती है। साथ ही, वे किसानों को नैनो टेक्नोलॉजी के उपयोग के प्रति जागरूक भी कर रही हैं। उनका अनुभव बताता है कि ड्रोन तकनीक से संतुलित और प्रभावी छिड़काव संभव होता है, जिससे किसानों को शत-प्रतिशत लाभ मिलता है। मजदूरों की तुलना में यह प्रक्रिया कम समय और कम लागत में पूरी हो जाती है। एक हेक्टेयर खेत में मात्र 5 से 10 मिनट में स्प्रे संभव है। रीना चंदेल वर्ष 2024 से इस योजना से जुड़ीं और उन्होंने इंदौर एवं भोपाल में ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण उन्हें मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत निशुल्क दिया गया। इतना ही नहीं, योजना के अंतर्गत उन्हें निशुल्क ड्रोन भी प्रदान किया गया, जिससे वे खेती में ड्रोन तकनीक का उपयोग कर आय अर्जित कर सकें। ग्वालियर के मोहना तथा आस-पास के गाँवों में इन दिनों ड्रोन दीदी निधा की चर्चा छाई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576